www.tamsasanket.com
वर्षः 05 || अंक 342 || लखनऊ
गुरूवार
19 मार्च 2026 || पृष्ठः 04 || मूल्यः ₹ 2
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com
दैनिक
तमसा संकेत
लखनऊ व अम्बेडकर नगर से एक साथ प्रकाशित
» डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 06:10
सूर्यास्तः 06:17
अधिकतमः 34°00
न्यूनतमः 20°00

पेज 03

विशेष समाचार | पश्चिम बंगाल चुनावः सत्ता की... >> पेज 02 | पासपोर्ट ऑफिस को बम से उड़ाने ... >>पेज 04 | शाहरुख फिर करेंगे रोमांस, विंटेज ...

सेना ने बताया कि संभावित निशाने वाले इलाकों में लोगों को मोबाइल अलर्ट भेजकर तुरंत शेल्टर में जाने के निर्देश दिए गए हैं। हमले में किसी बड़े नुकसान या हताहत की जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। इससे पहले ईरान ने चेतावनी दी थी कि गैस फैसिलिटीज पर हमले का जवाब दिया जाएगा और दुश्मन के 'सुरक्षित ठिकानों' को भी निशाना बनाया जाएगा। कतर ने ईरान के साउथ पार्स गैस फील्ड से जुड़ी सुविधाओं पर हुए हमले को लेकर कड़ी निंदा की है। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल-अंसारी ने कहा कि ऊर्जा ढांचे को निशाना बनाना बेहद खतरनाक और गैर-जिम्मेदाराना कदम है। उन्होंने कहा कि यह गैस फील्ड कतर के नॉर्थ फील्ड का विस्तार है और इस पर हमला वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा के लिए बड़ा खतरा पैदा करता है।

तेल फैसिलिटीज पर भी एयरस्ट्राइक, इजराइली रक्षा मंत्री बोले- बड़े सरप्राइज देंगे

अमेरिका-इजराइल ने सबसे बड़ी गैस फील्ड को बनाया निशाना

तमसा संकेत, एजेंसी

तेल अवीव/तेहरान। मिडिल-ईस्ट में जारी जंग के बीच अमेरिका-इजराइल ने अब ईरान के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। ईरानी सरकारी मीडिया के मुताबिक अमेरिका और इजराइल ने दक्षिणी ईरान में साउथ पार्स गैस फील्ड और असालुयेह शहर की तेल-गैस सुविधाओं पर एयरस्ट्राइक की है। साउथ पार्स दुनिया का सबसे बड़ा प्राकृतिक गैस फील्ड माना जाता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक हमले में गैस के साथ-साथ पेट्रोकेमिकल और तेल इंफ्रास्ट्रक्चर को भी निशाना बनाया गया है। इजराइली मीडिया ने भी बुशेहर क्षेत्र में गैस फैसिलिटी पर हमले की जानकारी दी है। इससे पहले इजराइल के रक्षा मंत्री ने कहा था कि आज ईरान और लेबनान में 'बड़े सरप्राइज' देखने को मिलेंगे, जिसे इन हमलों से जोड़कर देखा जा रहा है। इसके जवाब में ईरान ने खाड़ी देशों में बड़े हमलों की चेतावनी दी है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने लोगों से सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और कतर के प्रमुख तेल और गैस ठिकानों से दूर रहने को कहा है। वहीं कतर ने ईरान के गैस फील्ड पर हमले की निंदा की है। भारतीय झंडे वाला तेल टैंकर 'जग लाडकी' गुजरात के मुंद्रा स्थित अडाणी पोर्ट्स पर पहुंच गया है। यह UAE के फुजैराह पोर्ट से होर्मुज स्ट्रेट पार करते हुए आया है। इसपर 80,886 मीट्रिक टन(लगभग 5.8–6 लाख बैरल) कच्चा तेल लदा है। भारत में हर रोज लगभग 5.5–5.6 मिलियन बैरल (करीब 90 करोड़ लीटर) तेल की खपत होती है।>> (शेष पेज 04 पर)

ईरान जंग में मारे जाने वाले प्रमुख नेता/अधिकारी
- अयातुल्ला अली खामेनेई- ईरान के सुप्रीम लीडर
- अली लारिजानी- ईरान सिक्योरिटी काउंसिल चीफ
- अली शामखानी- खामेनेई के करीबी सलाहकार
- मोहम्मद पाकपूर- आईआरजीसी चीफ
- अजीज नसीरजादेह- रक्षा मंत्री
- अब्दोलरहीम मौसवी- आर्मी चीफ
- गुलामरेजा सुलेमानी- बसीज फोर्स कमांडर

ईरान बोला- सऊदी, यूएई और कतर के तेल ठिकाने निशाने पर

ईरान ने खाड़ी देशों में बड़े हमलों की चेतावनी दी है। ईरान की रिवोल्यूशनरी गार्ड (IRGC) ने लोगों से सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (UAE) और कतर के प्रमुख तेल और गैस ठिकानों से दूर रहने को कहा है। IRGC के मुताबिक आने वाले घंटों में इन ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है। यह चेतावनी ऐसे समय आई है जब ईरानी मीडिया ने अमेरिका और इजराइल पर साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमले का आरोप लगाया है।

साउथ पार्स गैस फील्ड पर हमले के बाद इलाके में घना काला धुआं नजर आया।

राष्ट्रगान विवाद के बाद ईरान लौटी महिला फुटबॉल टीम

ईरान की महिला फुटबॉल टीम राष्ट्रगान विवाद के बाद अपने देश लौट आई है। रिपोर्ट के मुताबिक टीम और सपोर्ट स्टाफ के सदस्य ऑस्ट्रेलिया में टूर्नामेंट खेलने के बाद तुर्किये-ईरान के बाजरगान बॉर्डर के रास्ते वापस पहुंचे, जहां उनका स्वागत किया गया। यह टीम उस वक्त विवाद में आ गई थी, जब खिलाड़ियों ने ऑस्ट्रेलिया में मैच के दौरान ईरान का राष्ट्रगान गाने से इनकार कर दिया था। इसके बाद उन्हें ईरानी मीडिया में गद्दार तक कहा गया। विवाद के बीच टीम के 6 खिलाड़ियों और एक स्टाफ सदस्य ने ऑस्ट्रेलिया में शरण लेने का फैसला किया था, लेकिन बाद में इनमें से 5 खिलाड़ियों ने अपना फैसला बदल लिया और ईरान लौट आए। रिपोर्ट्स के मुताबिक टीम के स्वागत के लिए तेहरान में औपचारिक समारोह भी आयोजित किया जाएगा।

इजराइली मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार ईरान पर हुए हालिया हवाई हमलों में ईरान के खुफिया मंत्री इस्माइल खातिब को निशाना बनाया गया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि इस ऑपरेशन के नतीजों का अभी आकलन किया जा रहा है और यह स्पष्ट नहीं है कि हमले में क्या नुकसान हुआ या लक्ष्य सफल हुआ या नहीं। फिलहाल इस मामले पर ईरान की ओर से कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है। इससे पहले इजराइल ने ईरान के सुरक्षा अधिकारी अली लारीजानी और बसीज कमांडर गुलामरेजा सुल्तानी को निशाना बनाया था, जिसमें दोनों अधिकारियों की मौत हो गई।

इंदौर में ईवी ब्लास्ट, एक साथ 7 चिताएं जलीं

घर के डिजिटल लॉक नहीं खुलने से 8 की मौत, इनमें एक बच्चा भी शामिल

- कार से फैली आग ने मकान के अलावा बिजली के पोल को भी अपनी चपेट में ले लिया।
- आग पूरे घर में फैल गई। घर में पॉलिमर केमिकल रखा था। इससे आग और ज्यादा भड़क गई।

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

इंदौर। इंदौर में इलेक्ट्रिक कार टाटा पंच में चार्जिंग के दौरान शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई, जिसने तीन मंजिला मकान को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में रबर कारोबारी मनोज पुगलिया, उनकी गर्भवती बहू सिमरन सहित 8 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 लोग घायल हैं। जो मंगलवार को बिहार के किशनगंज से आए थे। घटना बुधवार तड़के 3.30 से 4 बजे के बीच बंगाली चौराहे के पास ग्रेटर बृजेश्वरी कॉलोनी की है।

>> (शेष पेज 04 पर)

योगी आदित्यनाथ सरकार ने नौ वर्ष में बदला प्रदेश का चेहरा

सुरक्षा, निवेश और विकास यूपी की नई पहचान

बदलाव

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। योगी आदित्यनाथ सरकार के नौ वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में हुए व्यापक बदलावों का उल्लेख करते हुए इसे "नवनिर्माण का कालखंड" बताया है। लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन, भाजपा कार्यकर्ताओं के परिश्रम और जनता के सहयोग का परिणाम है। नौ वर्षों में प्रदेश का चेहरा बदला है। आज सुरक्षा, निवेश और विकास प्रदेश की पहचान हैं। पहले दंगों के लिए प्रदेश जाना जाता था आज निवेश बढ़ा है, किसान से लेकर नौजवान तक सभी को लाभ मिला है। डबल इंजन की सरकार के नेतृत्व में प्रदेश सुरक्षा, सुशासन और समृद्धि का नया माडल बना है। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष पंकज चौधरी व सहयोगी दलों के मंत्रियों की मौजूदगी में मुख्यमंत्री ने 'नवनिर्माण के नौ वर्ष' पुस्तक का विमोचन किया।

>> (शेष पेज 04 पर)

फास्ट न्यूज

भव्य योजना को केंद्र की मंजूरी, 100 इंडस्ट्रियल पार्क बनेंगे

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने बुधवार को कैबिनेट बैठक में कई अहम फैसले लिए। सरकार ने औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए 'BHAVYA' (भारत औद्योगिक विकास योजना) को मंजूरी दी है। 33,660 करोड़ रुपए लागत वाली इस योजना के तहत देशभर में 100 इंडस्ट्रियल पार्क विकसित किए जाएंगे।

सीरिया-लीबिया जंग में शामिल रहा यूएस नागरिक भारत में गिरफ्तार

नई दिल्ली। नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) ने अमेरिकी नागरिक मैथ्यू एरॉन वैन डाइक और छह यूक्रेनी नागरिकों को दिल्ली, लखनऊ और कोलकाता से गिरफ्तार किया है। US सिटीजन मैथ्यू 2011 के लीबिया सिविल वॉर और सीरिया गृह युद्ध में सत्ता के खिलाफ लड़ाई में विदेशी फाइटर के रूप में शामिल हुआ था। उसने रूस-यूक्रेन युद्ध में यूक्रेनी युवाओं को भी ट्रेनिंग दी है। NIA ने मंगलवार (17 मार्च) को बताया कि 7 विदेशी नागरिकों को 13 मार्च को गिरफ्तार किया गया था। एजेंसी के मुताबिक ये लोग भारत खासकर नॉर्थ-ईस्ट में उग्रवाद का समर्थन कर रहे थे।

बस किराया बढ़ा तो बुजुर्ग को पार्सल करने की कोशिश

बेंगलुरु। कर्नाटक के बेंगलुरु में एक परिवार ने बुजुर्ग को बोरे में बांधकर कूरियर से पार्सल करने की कोशिश की। परिवार ने यह कदम बस किराया बढ़ने के विरोध में उठाया। घटना मंगलवार शाम की है, जिसका वीडियो बुधवार को सामने आया। कूरियर सेंटर के कर्मचारियों को बोरे में हलचल दिखी तो उन्होंने उसे खोलकर देखा। अंदर से एक बुजुर्ग व्यक्ति निकला। इसके बाद कर्मचारियों ने पुलिस को सूचना दी।

देवगौड़ा ने मोहब्बत हमसे, शादी मोदीजी से की : खड़गे

राज्यसभा में ठट हंसे, देवगौड़ा का जवाब- मेरी जबरन शादी कराई, इसलिए तलाक लेना पड़ा

टिप्पणी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। राज्यसभा में बुधवार को कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने अपनी स्पीच के दौरान पूर्व पीएम और जनता दल (सेक्युलर) के अध्यक्ष एचडी देवगौड़ा का जिक्र किया। उन्होंने कहा- मुझे पता नहीं कि उन्हें (देवगौड़ा) क्या हुआ। उन्होंने मोहब्बत हमसे की, लेकिन शादी मोदीजी के साथ की। खड़गे की बात सुनकर राज्यसभा में मौजूद सभी लोग ठहाके लगाने लगे। प्रधानमंत्री मोदी भी हंसते हुए नजर आए। खड़गे की टिप्पणी पर देवगौड़ा ने देर शाम एक लेटर लिखकर जवाब दिया और बताया जब खड़गे सदन में बोल रहे थे, तब वे वहां मौजूद नहीं थे। देवगौड़ा ने आगे लिखा- अगर मैं अपने मित्र खड़गे को उसी शादी वाली भाषा में जवाब दूं, तो मैं कहना चाहूंगा कि मैं कांग्रेस के साथ जबरन शादी में था।

>> (शेष पेज 04 पर)

हरिवंश ने कहा- मैं हर किसी के शब्दों से खुद को जोड़ता हूं

उपसभापति हरिवंश ने कहा कि सभापति जी आपने बोलने का मौका दिया। पीएम और सभापति जी आपने जो मेरे लिए शब्द कहे, वह मेरे जीवन का अमिट स्मृति है। मैं हर किसी के शब्दों से खुद को जोड़ता हूं। आपके आने के बाद लगातार यह प्रयास रहा कि कैसे यह संसद चले। इस सदन के सदस्य जेपी नड्डा का मर्यादित आचरण याद रहेगा। खड़गे जी के साथ बैठने का अवसर, हर पल सजग रहना.. उनका अनुभव इससे बहुत कुछ सीखने मिला। किरेन रिजिजू का हिंदी में प्रेम से बात रखना बहुत अच्छा लगता है।

दमकल ने 10 लोगों का रेक्स्यू किया, दो ने छलांग लगाकर जान बचाई

4 मंजिला बिल्डिंग में आग

9 लोगो की हूई मौत

- दिल्ली के पालम इलाके की बिल्डिंग में सुबह करीब 7 बजे आग लगी थी।
- सीढ़ियों के जरिए फायर ब्रिगेड टीम रेस्क्यू ऑपरेशन करने में जुटी है।

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली के पालम स्थित साध नगर में एक रिहायशी 4 मंजिला बिल्डिंग में बुधवार सुबह करीब 7 बजे भीषण आग लग गई। हादसे में 9 लोगों की मौत हो गई, जिनमें 3 नाबालिग लड़कियां शामिल हैं। 2 लोगों ने जान बचाने के लिए बिल्डिंग से छलांग लगा दी। दोनों को गंभीर चोटें आई हैं। दिल्ली फायर सर्विस (DFS) के कर्मियों ने 10 लोगों का रेक्स्यू किया है। इनमें 3 लोग घायल हैं। करीब 30 फायर ब्रिगेड मौके पर मौजूद हैं। आग पर काबू पा लिया गया है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आग शॉर्ट सर्किट के कारण लगी और तेजी से फैल गई। इमारत में उस समय 10-15 लोग मौजूद थे। इनमें कुछ शव बरामद किए जा चुके हैं। मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है। न्यूज एजेंसी IANS के मुताबिक, बिल्डिंग के बेसमेंट, ग्राउंड और फर्स्ट फ्लोर पर कपड़े और कॉस्मेटिक सामान के स्टोरेज के लिए किया जा रहा था। सेकेंड और थर्ड फ्लोर पर लोग रहते थे। चौथे फ्लोर पर एक टिन शेड बना हुआ था। आग की लपटें वहां तक पहुंच गई थीं। घटना में मारे गए 8 लोगों के शव मणिपाल अस्पताल और एक महिला का शव IGI अस्पताल लाया गया था। घायलों में दो का इलाज IGI अस्पताल में चल रहा है।

>> (शेष पेज 04 पर)

अधिकारियों के अनुसार इमारत अंदर से बुरी तरह डैमेज हो चुकी है।

राहुल टपोरी की तरह संसद आते हैं : कंगना

तू-तड़ाक करते हैं, उन्हें देखकर महिलाएं अनकम्फर्टेबल फील करती हैं

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। भाजपा सांसद कंगना रनौत ने बुधवार को संसद के बाहर कहा- राहुल को देखकर हम महिलाओं को काफी अनकम्फर्टेबल फील होता है। उन्होंने कहा- वह टपोरी की तरह आते हैं, तू-तड़ाक करते हैं। इंटरव्यू दे रहे लोगों को परेशान करते हैं। कहते हैं- आजा...आजा। उन्हें अपनी बहन को देखना चाहिए। उनका व्यवहार बहुत अच्छा है। कांग्रेस सांसद ज्योतिमणि ने भाजपा सांसद कंगना रनौत पर कहा- कंगना रनौत की बातें उनके चरित्र को दर्शाती हैं। सिर्फ अच्छे कपड़े पहन लेने या सेलिब्रिटी होने से कोई अच्छा इंसान नहीं बन जाता। यही उनकी राजनीति का स्तर है।

कंगना का यह बयान उस विवाद के बाद आया है, जिसमें 12 मार्च को संसद परिसर के मकर द्वार पर राहुल गांधी के चाय-नाश्ता करने को लेकर आलोचना हुई थी। इस मामले में 84 पूर्व ब्यूरोक्रेट्स, 116 पूर्व सैनिक और 4 वकीलों ने एक ओपन लेटर लिखकर राहुल गांधी से देश के लोगों से माफी की मांग की है।

>> (शेष पेज 04 पर)

ईडी रेड में ममता की दखलंदाजी से सुप्रीम कोर्ट हुआ नाराज

कहा- आई-पीएसी दफ्तर पहुंचकर आपने ठीक नहीं किया, ईडी बोली- राज्य में सत्ता का दुरुपयोग

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को I-PAC के ऑफिस में प्रवर्तन निदेशालय (ED) की रेड के दौरान पश्चिम बंगाल की सीएम के अचानक पहुंचने पर सवाल उठाए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा- आपने वहां पहुंचकर ठीक नहीं किया। ऐसे असामान्य हालात में केंद्रीय एजेंसी को क्या करना चाहिए। अगर कल कोई और मुख्यमंत्री भी ऐसी छापेमारी में घुस जाए तो क्या ED के पास कोई समाधान नहीं होगा। ED ने सुप्रीम कोर्ट में ममता के I-PAC के कार्यालय और फोन और कई दस्तावेज ले जाने को सत्ता का गंभीर दुरुपयोग बताया है।

>> (शेष पेज 04 पर)

रेड के दौरान फाइलें लेकर चली गईं थी सीएम ममता

सर्च ऑपरेशन के दौरान, CM ममता बनर्जी अन्य TMC नेताओं के साथ I-PAC ऑफिस पहुंचीं। इसके बाद काफी हंगामा हुआ। ममता ऑफिस से कई फाइलें लेकर बाहर निकलीं और मीडिया से बात की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय एजेंसी पर हद से ज्यादा दखलंदाजी का आरोप लगाया।

पार्टी ने यह भी आरोप लगाया है कि I-PAC पार्टी के चुनाव रणनीतिकार के रूप में काम करता है और विधानसभा चुनाव से ठीक पहले ED ने गोपनीय चुनाव रणनीति से जुड़ी जानकारी हासिल करने के लिए रेड डाली।

पश्चिम बंगाल में कुछ ही महीनों में विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। TMC ने ED की कार्रवाई में बाधा डालने के आरोप का खंडन किया। वहीं पश्चिम बंगाल पुलिस ने ED अधिकारियों के खिलाफ FIR भी दर्ज की।

2 साल पहले हुई इंटर-कास्ट मैरिज पर बवाल

महासम्मेल के बाद एक समुदाय ने दूसरे का गांव घेरकर तोड़फोड़ की

तोड़फोड़

तमसा संकेत, एजेंसी

थराद। गुजरात की थराद जिले में करीब 2 साल पहले हुई इंटर कास्ट मैरिज को लेकर चौधरी और रबारी समुदाय के लोग आमने सामने हैं। बुधवार को थराद में चौधरी समुदाय का महासम्मेलन हुआ। इसमें उत्तर गुजरात और राजस्थान के अंजना चौधरी समुदाय के नेताओं समेत बड़ी संख्या में लोग जमा हुए थे। सम्मेलन के बाद, चौधरी समुदाय के हजारों लोगों की भीड़ अपने समुदाय की बेटी की घर-वापसी की मांग करते हुए ओगड़ के ऊण गांव जा पहुंची। भीड़ ने गांव का घेराव कर गाड़ियों में जमकर तोड़फोड़ की। सूचना मिलते ही डीएसपी समेत बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे और भीड़ को तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया।

- पुलिस भीड़ को ऊण गांव में घुसने से रोकने की कोशिश करती हुई।
- कुछ लोगों ने पथराव कर दिया तो पुलिस को लाठीचाज करना पड़ा।

>> (शेष पेज 04 पर)

सम्पादकीय

नीतीश-डीजीपी के सिपाही बनने की कहानी

बिहार में 20 सालों तक सत्ता का निर्बाध आनंद लेने के बाद नीतीश कुमार अब फिर दिल्ली की राजनीति में लौट रहे हैं। 2005 में बिहार का मुख्यमंत्री बनने से पहले नीतीश कुमार छह बार लोकसभा सांसद रह चुके हैं, लेकिन अब सातवीं बार सांसद बनने के लिए उन्होंने राज्यसभा को चुना। बिहार में नीतीश कुमार समेत एनडीए के पांचों उम्मीदवारों ने राज्यसभा चुनाव जीत लिया है। मजेदार बात ये है कि तीन विभिन्न पार्टियों के राष्ट्रीय अध्यक्ष इनमें शामिल हैं। नीतीश कुमार जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, उपेन्द्र कुशवाहा राष्ट्रीय लोकमोर्चा के अध्यक्ष हैं और नितिन नवीन बिहार और केंद्र में सत्तारुढ़ भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। वैसे बिहार में राज्यसभा चुनावों की सबसे खास बात यही रही कि पहली बार किसी मौजूदा मुख्यमंत्री ने राज्य की सत्ता छोड़कर राज्यसभा को चुना हो। राज्य की सत्ता छोड़कर नरेन्द्र मोदी भी आए थे, लेकिन उन्होंने लोकसभा चुनाव लड़ा था और सामने प्रधानमंत्री पद की दावेदारी थी। जबकि नीतीश कुमार ने तो इंडिया गठबंधन इसी नाम पर छोड़ा था कि उन्हें विपक्षी मोर्चे की तरफ से प्रधानमंत्री का चेहरा घोषित नहीं किया गया था। केंद्रीय मंत्री और मुख्यमंत्री बनने के बाद नीतीश कुमार की महत्वाकांक्षा अगर प्रधानमंत्री बनने की थी, तो उसमें न कुछ गलत है, न आश्चर्य है। लेकिन असली हैरानी इसी बात पर है कि आखिर राज्यसभा के लिए 20 सालों की राज्य की सत्ता को कौन ठुकराता है। अभी तो ये भी तय नहीं है कि नीतीश कुमार को कौन सा मंत्री पद मिलता है, या अगले साल उन्हें राष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाया जाता है। वैसे इतना तो तय है कि इस समय नीतीश कुमार के राज्यसभा जाने से जदयू के लोग तो खुश नहीं ही हैं, बिहार के लोगों को भी भाजपा का ये राजनीतिक खेल समझ नहीं आ रहा है, कि एकदम से उन्हें नीतीशविहीन क्यों किया जा रहा है। उनके पैतृक गांव कल्याण बिगहा में एक व्यक्ति ने बीबीसी से कहा कि यह तो डीजीपी के सिपाही बनने जैसा है। वहीं जदयू में नीतीश के पुराने साथी के सी त्यागी ने तो अब पार्टी ही छोड़ दी, जबकि बहुत से कार्यकर्ताओं ने निशांत कुमार को मुख्यमंत्री बनाने की मांग की। ये मांग तो शायद ही पूरी हो, लेकिन परिवारवाद की माला जपते हुए नीतीश कुमार ने बेटे निशांत का राजनीति में प्रवेश करा ही दिया है। निशांत कुमार क्या अपने पिता की तरह बिहार के लोगों के दिल में जगह बना पाएंगे, क्या नीतीश कुमार को किसी भी खेमे में रहने के बावजूद जो समर्थन मिलता रहा, वैसा ही समर्थन निशांत कुमार को मिलेगा, नीतीश को इसकी चिंता भी करना चाहिए। लेकिन नीतीश कु मार के लिए इस समय सबसे बड़ी चिंता बिहार में भाजपा का वर्चस्व कायम होने की होनी चाहिए। एनडीए का सहयोगी होने के बावजूद नीतीश कुमार ने भाजपा को कभी बिहार में बड़ा भाई नहीं बनने दिया था, लेकिन 2025 के चुनावों में भाजपा बड़े भाई से आगे बढ़कर मोहल्ले का दादा ही बन चुकी है। कहा जा रहा है कि अब भाजपा अपने मुख्यमंत्री बनाने का सपना पूरा कर लेगी, इसके लिए शायद पिछले साल चुनावों में ही सौदेबाजी कर ली गई थी कि जनता को दिखाने के लिए नीतीश कुमार को कुछ दिन मुख्यमंत्री बनाया जाए और फिर धीरे से उनसे ये पद ले लिया जाए। अगर इस दावे में दम है तो यह लोकतंत्र के लिए खतरनाक है। क्योंकि अक्सर ऐसी सौदेबाजियां भष्ट तरीकों से सत्ता हासिल करने का रास्ता बनाती हैं। नीतीश कुमार के दिल्ली आने से बिहार में एक बड़ा बदलाव यह होगा कि राज्य से जे पी आंदोलन की बची-खुची यादों की भी विदाई हो जाएगी। शरद यादव रहे नहीं, लालू प्रसाद यादव भी राजनीति में कम ही सक्रिय हैं, उनकी जगह तेजस्वी ने पार्टी संभाल ली है और अब नीतीश कुमार भी पूरी तरह भाजपा के रंग में रंग चुके हैं। 2005 में जब उन्होंने लोकसभा सीट छोड़कर मुख्यमंत्री की कुर्सी संभाली थी तब उन्होंने सोचा भी नहीं होगा कि वे इतने लंबे समय तक राज्य की राजनीति के केंद्र में रहेंगे। 24 नवंबर 2005 को जब उन्होंने बिहार के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली, तब उन्होंने बिहार को 'जंगलराज से बाहर निकालने का संकल्प लिया था। जिसे जनता ने हाथोंहाथ लिया। हालांकि अब जब उनकी विदाई हो रही है, तब भी हालात सुधरे नहीं हैं, बल्कि जिस सांप्रदायिक धुरवीकरण से लालू प्रसाद ने बिहार को दूर रखा, वो अब सिर चढ़कर बोल रहा है। नरेन्द्र मोदी की इस राजनीति का विरोध करने के लिए एनडीए से 17 साल पुराना गठबंधन तोड़कर लालू यादव के साथ महागठबंधन नीतीश ने बनाया और तब भी बिहार के मुख्यमंत्री वही रहे। बस थोड़े वक्त के लिए जीतनराम मांझी मुख्यमंत्री रहे, उसमें भी सरकार की डोर नीतीश के पास ही रही। हालांकि 2017 में नीतीश फिर भाजपा के साथ हो लिए, मगर इसके बाद वर्ष 2022 में फिर पाला बदल लिए और साल 2024 के चुनाव से ठीक पहले एक बार फिर एनडीए में शामिल हो गए। यह शायद आखिरी मौका था जब नीतीश कुमार ने अपनी मर्जी से फैसला लिया, क्योंकि इस बार भाजपा ने उन्हें ऐसे जकड़ कर रखा कि मोदी सरकार की बहुत सी बातों से असहमत होते हुए भी नीतीश कुमार हामी भरने पर मजबूर रहे। मुख्यमंत्री पद छोड़कर राज्यसभा आना भी संभवतः भाजपा की जकड़न का ही परिणाम है।

> **बंगाल में बदलते राजनीतिक परिदृश्य ने नए अवसर पैदा किए हैं। कभी बनर्जी को संदेह की नजर से देखने वाले शहरी बंगाली 'भद्रलोक' मतदाता अब एसआईआर के दखल को लेकर अपनी नाराजगी साझा कर रहे हैं।**

पश्चिम बंगाल चुनाव: सत्ता की जंग से बड़ी 'चुनाव आयोग की साख' की अग्नि परीक्षा

पश्चिम बंगाल की सत्ता का रण एक बार फिर सज चुका है। भारत निर्वाचन आयोग ने राज्य की 294 विधानसभा सीटों के लिए चुनावी बिगुल फूंक दिया है. यहां की राजनीति हमेशा से ही 'प्रतिबद्धता' और 'प्रतिरोध' की प्रयोगशाला रही है लेकिन इस बार का यह महामुकाबला केवल यह तय नहीं करेगा कि कोलकाता के ऐतिहासिक 'राइटर्स बिल्डिंग' में अगला मुख्यमंत्री कौन बैठेगा बल्कि यह भारतीय चुनाव आयोग की उस वैश्विक साख की भी सबसे बड़ी परीक्षा साबित होने वाला है जिसने 2021 के चुनाव और उसके बाद हुई भीषण हिंसा के दाग को धोने और 'हिंसा मुक्त बंगाल' का संकल्प लिया है। इस बार का चुनाव न केवल राजनीतिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है बल्कि सुरक्षा और चुनावी प्रक्रिया के प्रबंधन के लिहाज से एक बड़ी चुनौती वाला चुनाव है। आयोग ने इस बार अपने आत्मविश्वास को दर्शाते हुए पिछले 8 चरणों के लंबे कार्यक्रम को घटाकर मात्र दो चरणों में समेटने का 'साहसिक' फैसला लिया है जो अपने आप में एक बड़ा दांव माना जा रहा है हालांकि इसका असली परिणाम 23 और 29 अप्रैल को होने वाले दोनों चरणों के मतदान की शांति और सुरक्षा से तय होगा? पश्चिम बंगाल के चुनावी इतिहास में 'हिंसा' एक ऐसा शब्द रहा है जिसने लोकतांत्रिक उत्सव को कई बार फीका किया है। 2021 के चुनाव और उसके बाद हुई हिंसा के कड़वे अनुभवों को देखते हुए इस बार चुनाव आयोग का पूरा जोर 'हिंसा मुक्त मतदान' पर है जिसके लिए पिछले सप्ताह कोलकाता का तीन दिवसीय दौरा करके मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने राज्य के प्रमुख राजनीतिक दलों भाजपा, तृणमूल कांग्रेस, सीपीआई(एम), कांग्रेस और अन्य दलों से रुबरु होकर स्पष्ट संदेश दिया है कि चुनाव आयोग पश्चिम बंगाल में निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने हिंसा, धमकाने की कोशिशों और चुनाव कर्मचारियों को प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि के प्रति 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाने का ऐलान किया है। मुख्य आयुक्त ने जोर देकर कहा कि आयोग पश्चिम बंगाल में निष्पक्ष, स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। अब सवाल है कि क्या यह विधानसभा चुनाव राज्य के चुनावी इतिहास में 'हिंसा-मुक्त' होने का नया कीर्तिमान स्थापित कर पाएगा? हालांकि यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा लेकिन आयोग की सक्रियता ने उन मतदाताओं में भरोसा जरूर जगाया है, जो लंबे समय से शांतिपूर्ण मतदान की बाट जोह रहे हैं। एक मायने में यह चुनाव न केवल बंगाल का भविष्य तय करेगा, बल्कि भारतीय लोकतंत्र में निष्पक्ष चुनाव कराने वाली सर्वोच्च संस्था की साख को भी पुनर्स्थापित करेगा। चुनावी कार्यक्रम के अनुसार इस बार पहले चरण के लिए 23 अप्रैल को उत्तर बंगाल और जंगलमहल के इलाके की 152 सीटों और दूसर चरण में 29 अप्रैल को दक्षिण बंगाल और कोलकाता के आसपास के इलाके की 142 सीटों पर मतदान होना है। जबकि चुनाव के नतीजे चार मई को आएंगे। बंगाल की जमीन पर राजनीतिक बिसात भी दिलचस्प है. जहां चुनावी मुकाबला मुख्य रूप से सत्ताधारी टीएमसी और मुख्य विपक्षी दल भाजपा के बीच आर-पार का है, वहीं पिछले चुनाव में शून्य पर सिमटने के बाद, वाम मोर्चा और कांग्रेस वाला गठबंधन इस बार 'प्रासंगिकता' बचाने की जंग लड़ रहा है। टीएमसी की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सामने चौथी बार सत्ता बरकरार रखने की बड़ी चुनौती है जिसमें टीएमसी को 'भ्रष्टाचार' के गंभीर आरोपों और 'एंटी-इनकंबेंसी' (सत्ता विरोधी लहर) से लड़ना है। सत्तापक्ष के लिए हाल ही में मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) को लेकर उपजे विवाद भी भी किसी चुनौती से कम नहीं होगा जिसका मामला सुप्रीम कोर्ट तक भी पहुंचा है। आयोग के एसआईआर और केंद्रीय फंड में हो रही कटौती को लेकर फैली बेचैनी ने बंगाल में खासतौर से टीएमसी के लिए राजनीतिक चिंताएं बढ़ा दी हैं। वहीं 2021 में 77 सीटें जीतने वाली भाजपा इस बार सत्ता परिवर्तन की पुरजोर कोशिश में जुटी है। पार्टी व्यापक चुनावी रणनीति के साथ 'घुसपैठ' और 'महिला सुरक्षा' जैसे मुद्दों को आधार बना रही है, लेकिन उसे अभी भी स्थानीय स्तर पर एक सर्वमान्य मजबूत नेतृत्व और सांगठनिक एकजुटता की तलाश है। भले ही सीटों के मामले में टीएमसी आगे दिख रही हो, लेकिन वोट प्रतिशत के मामले में फासला बहुत कम रह गया है, जिसमें यह आंकड़ा बताता है कि बंगाल का मुकाबला बेहद करीबी होने वाला है। हालांकि क्या जमीन पर यह आंकड़े हकीकत में बदलेंगे या 4 मई के नतीजे कुछ और ही कहानी कहेंगे? यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। पश्चिम बंगाल के चुनावी इतिहास में 'हिंसा' एक ऐसा शब्द रहा है जिसने लोकतांत्रिक उत्सव को कई बार फीका किया है। 2021 के चुनाव और उसके बाद हुई हिंसा के कड़वे अनुभवों को देखते हुए इस बार आयोग का पूरा जोर 'हिंसा मुक्त मतदान' पर है। इसी रणनीति के तहत चुनाव आयोग चुनाव की घोषणा से पहले ही केंद्रीय बलों 480 कंपनियां राज्य में भेज चुका हैं। आयोग ने स्पष्ट किया है कि केंद्रीय बलों का उपयोग केवल मतदान के दिन ही नहीं, बल्कि मतदाताओं में विश्वास पैदा करने के लिए बलों द्वारा एरिया डोमिनेशन और गश्त में पहले से कर रहा है। वहीं दागी अधिकारियों को लेकर भी चुनाव आयोग पूरी तरह से मुस्तैद है यानी आयोग इस बार कोई कसर नहीं छोड़ना चाहता। इसलिए आयोग ने उन पुलिस अधिकारियों की सूची मांगी है जिन पर पिछले चुनावों में हिंसा को बढ़ावा देने या लापरवाही बरतने के आरोप लगे थे। ऐसे दागी अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया से दूर रखने के लिए आयोग ने उन्हें हटाने की कार्रवाई भी शुरु कर दी है। वहीं चुनाव आयोग इस बार 'फर्जी मतदान' की गुंजाइश खत्म करने की दिशा में मतदान केंद्रों के बाहर चेहरा सत्यापन के लिए विशेष काउंटर बनाने पर विचार कर रहा है, जहाँ बुर्का या घूंघट वाले मतदाताओं की पहचान महिला कर्मचारियों द्वारा की जाएगी। राजनीतिक जानकारों की माने तो पश्चिम बंगाल में महिलाएं अक्सर साइलेंट वोटर होती हैं।

ओ.पी. पाल

जन सुराज का...

ललित गर्ग

दूषित जल: विकास के दावों पर एक गंभीर प्रश्न

> **दुर्भाग्य से जल गुणवत्ता के मोर्चे पर स्थिति उतनी संतोषजनक नहीं दिखाई देती। विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों में पेयजल के नमूनों की जांच से यह तथ्य सामने आया है कि बड़ी मात्रा में जल प्रदूषित पाया गया है। सबसे चिंताजनक बात यह है कि लिए गए दूषित नमूनों में से केवल लगभग एक चौथाई को ही शुद्ध करने के प्रयास किए गए।**

अक्सर कहा जाता है कि जल ही जीवन है। किंतु यदि यही जल दूषित हो जाए तो क्या उसे जीवन का आधार कहा जा सकता है? सच तो यह है कि दूषित जल जीवन को बचाने के बजाय उसे संकट में डाल देता है। आज भारत सहित पूरी दुनिया में स्वच्छ जल की उपलब्धता एक बड़ी चुनौती बनती जा रही है। विडंबना यह है कि जिस देश में नदियों को माता का दर्जा दिया जाता है और जल को जीवन का मूल तत्व माना जाता है, वहीं करोड़ों लोग आज भी स्वच्छ पेयजल से वंचित हैं। यह स्थिति केवल संसाधनों की कमी का परिणाम नहीं है, बल्कि कहीं न कहीं नीतिगत कमजोरियों, प्रशासनिक उदासीनता और विकास के असंतुलित मॉडल की भी देन है। पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने पेयजल की उपलब्धता बढ़ाने के लिए कई महत्वाकांक्षी योजनाएं शुरू की हैं। वर्ष 2019 में आरंभ हुआ जल जीवन मिशन इसी दिशा में एक बड़ा कदम माना गया। इस योजना का उद्देश्य था कि देश के हर ग्रामीण परिवार को नल के माध्यम से स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जाए। इसके अतिरिक्त नदियों की स्वच्छता के लिए नमामि गंगे जैसी परियोजनाएं भी शुरू की गईं। इन योजनाओं के कारण पाइपलाइन के माध्यम से जल आपूर्ति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। जहां वर्ष 2019 में केवल लगभग 16.7 प्रतिशत ग्रामीण घरों तक नल का पानी पहुंचता था, वहीं 2024 के अंत तक यह आंकड़ा 80 प्रतिशत से अधिक तक पहुंच गया। यह उपलब्धि निस्संदेह महत्वपूर्ण है, किंतु केवल पाइपलाइन बिछा देने भर से समस्या का समाधान नहीं हो जाता। असली चुनौती यह सुनिश्चित करने की है कि जो पानी घरों तक पहुंच रहा है वह वास्तव में स्वच्छ और सुरक्षित भी हो। इसका अर्थ यह हुआ कि बड़ी संख्या में लोग अब भी दूषित पानी पीने को मजबूर हैं। यह स्थिति हमारे विकास के दावों की तार्किकता पर प्रश्नचिह्न लगाती है। यदि जल जैसे बुनियादी संसाधन की गुणवत्ता सुनिश्चित नहीं की जा सकती तो विकास की उपलब्धियां अधूरी ही मानी जाएंगी। पेयजल की गुणवत्ता का संकट केवल ग्रामीण क्षेत्रों तक सीमित नहीं है। शहरी क्षेत्रों में भी यह समस्या बराबर देखने को मिलती है। महानगरों और बड़े शहरों में तेजी से बढ़ते शहरीकरण, पुरानी पाइपलाइन व्यवस्था और सीवेज प्रबंधन की कमजोरियों के कारण जल स्रोत लगातार प्रदूषित हो रहे हैं। कई स्थानों पर पेयजल पाइपलाइन और सीवर लाइन एक-दूसरे के बेहद करीब बिछी हुई हैं। समय के साथ जब ये पाइपलाइन जर्जर हो जाती हैं तो सीवर का गंदा पानी पेयजल में मिल जाता है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य संकट उत्पन्न हो जाता है। हाल के वर्षों में कई शहरों में दूषित पानी के कारण लोगों के बीमार पड़ने और यहां तक कि मौत होने की घटनाएं सामने आई हैं। मध्यप्रदेश के इंदौर जैसे शहर में हुई ऐसी घटनाओं ने इस खतरे की गंभीरता को और स्पष्ट कर दिया है। यह विडंबना ही है कि जो शहर स्वच्छता के लिए देश में बार-बार अग्रणी स्थान प्राप्त करता रहा है, वहीं दूषित जल के कारण लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आती हैं। स्वास्थ्य विशेषज्ञ लंबे समय से यह चेतावनी देते रहे हैं कि अधिकांश बीमारियों की शुरुआत पेट से होती है और दूषित जल इसका सबसे बड़ा कारण बनता है। दस्त, उल्टी, टाइफाइड, हैजा और पीलिया जैसी जलजनित बीमारियां आज भी लाखों लोगों को प्रभावित कर रही हैं। इन बीमारियों का सबसे अधिक असर बच्चों और बुजुर्गों पर पड़ता है क्योंकि उनकी प्रतिरोधक क्षमता अपेक्षाकृत कम होती है। ग्रामीण क्षेत्रों में तो स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, जहां स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता सीमित होती है। ऐसे में दूषित पानी केवल एक पर्यावरणीय समस्या नहीं रह जाता, बल्कि यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट का रूप ले लेता है। जल प्रदूषण के पीछे कई कारण हैं। औद्योगिक कचरे का बिना उपचार के नदियों और जलाशयों में छोड़ा जाना एक बड़ा कारण है। इसके अतिरिक्त शहरों से निकलने वाला अनुपचारित सीवेज भी बड़ी मात्रा में जल स्रोतों को प्रदूषित करता है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट के अनुसार देश की सैकड़ों नदियों के अनेक नदी खंड जल गुणवत्ता के मानकों से नीचे पाए गए हैं। इसका अर्थ यह है कि हमारे जल स्रोत धीरे-धीरे प्रदूषण के गंभीर जाल में फंसते जा रहे हैं। दूसरी ओर, भूजल का अत्यधिक दोहन भी स्थिति को और जटिल बना रहा है। भारत दुनिया में सबसे अधिक भूजल निकालने वाले देशों में अग्रणी है। अत्यधिक दोहन के कारण न केवल जल स्तर गिर रहा है।

इस किरदार को...

सुभाष शिरढोनकर

इस बार चूक गईं भूमि पेडनेकर

शरत कटारिया के निर्देशन में बनी फिल्म 'दम लगा के हईशा' (2015) से बॉलीवुड में डेब्यू करने वाली एक्ट्रेस भूमि पेडनेकर की ये पहली ही फिल्म जबर्दस्त हिट थी। फिल्म को न केवल सर्वश्रेष्ठ फिल्म का राष्ट्रीय पुरस्कार मिला बल्कि भूमि को बेस्ट फीमेल डेब्यू का फिल्मफेयर अवार्ड भी मिला। उसके बाद 11 साल के करियर में भूमि ने 'टॉयलेटः एक प्रेम कथा' (2017), 'शुभ मंगल सावधान' (2017), 'बाला' (2019), 'पति पत्नी और वो' (2019), 'शुभ मंगल ज्यादा सावधान' (2019) 'भूत पार्ट वनः द हॉन्टेडशिप' (2020) 'बधाई दो' (2022) 'भक्षक' (2024) और 'मेरे हसबेंड की बीवी' (2025) जैसी कई बड़ी फिल्मों में काम करते हुए अपनी दमदार एक्टिंग से बड़े पर्दे पर एक खास जगह बनाई है। आज भूमि का नाम हिंदी सिने जगत की टॉप और वर्सेटाइलएक्ट्रेसेस में शुमार हैं। 30 जनवरी को अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई वेब सीरीज 'दलदल' (2026) में वह एक मर्डर मिस्ट्री को सुलझाने में पूरी ताकत झोंक देने वाली निडर और दबंग डीसीपी रीटा फरेरा की भूमिका में थीं। इस किरदार को लेकर वह काफी सुर्खियों में रहीं। कुछ को उनका काम पसंद आया तो कुछ को वह अपने किरदार में ओव्हर एक्टिंग करते हुए लगीं। पुलिस की वर्दी में उनका चोटी वाला लुक तो किसी को भी पसंद नहीं आया। बात बात पर उनका अपने अधीनस्थ पर चीखना चिल्लाना और झल्लाना भी समझ से थोड़ा परे था। भूमि का अभिनय के प्रति गहरा जुनून है। अपने किरदार की गहराई से उतरकर उसमें प्रामाणिकता और ईमानदारी लाने की उनकी कोशिश साफ तौर पर नजर आती है। हर बार वह अपने किरदार के लिए 100 प्रतिशत देने की कोशिश करती हैं लेकिन इस बार उनसे चूक हो गई। 'दलदल' में वह थकी थकी सी नजर आईं। ऊर्जा की कमी तो उनके किरदार में साफ तौर पर परिलक्षित हो रही थी। वेब सीरीज 'दलदल' (2026) के पहले भूमि पेडनेकर ईशान खट्टर के साथ वेब सीरीज 'द रॉयल्स' (2025) में थीं जिसमें उनके कई इंटीमेट सीन्स देखे गए थे। ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई फिल्म 'भक्षक' (2024) में भूमि की एक्टिंग को दर्शकों से लेकर समीक्षकों ने जिस अंदाज में सराहा और पसंद किया उसके बाद से ही वह ओटीटी पर अपना नाम बनाने की कोशिशों में जुटी हैं। भूमि पेडनेकर हिंदी फिल्मों और ओटीटी के अलावा हॉलीवुड में भी अपना सिक्का आजमाना चाहती है। उन्हें लगता है कि यदि वहां उन्हें अवसर मिले तो वह प्रियंका चौपड़ा की तरह ग्लोबल स्टार बन सकती हैं। 18 जुलाई 1989 को मुंबई में पैदा हुई भूमि पेडनेकर के पिता मराठी और मां सुमित्रा हरियाणवी हैं। भूमि जब महज 18 की थीं, उनके पिता सतीश पेडनेकर का केंसर से निधन हो गया। एक्टिंग को करियर बनाने के पहले भूमि पेडनेकर ने 6 साल तक तक यशराज फिल्म्स में कास्टिंग डायरेक्टर शानू शर्मा की असिस्टेंट के तौर पर भी काम किया। उस दौरान वह फिल्म 'पाऊडर' के लिए पंकज त्रिपाठी और फिल्म 'बैंड बाजा बारात' के लिए रणवीर सिंह व्दारा दिए गए ऑडिशन प्रॉसेस का हिस्सा थीं। भूमि पेडनेकर को एक्टिंग का चस्का शुरू से था। शायद इसी वजह से उन्होंने सुभाष घई के एक्टिंग इंस्टिट्यूट में दाखिला भी लिया था लेकिन कम अटेंडेंस के चलते उन्हें वहां से बाहर होना पड़ा ।

जरा हटके

सुप्रीम कोर्ट ने...

डॉ0 रामा तक्षक

ईरान में औंधे मुँह गिरने पर ट्रंप के बोल - मदद करो!

28 फरवरी को शुरू हुआ ईरान का युद्ध, अब वैश्विक स्तर पर, एक समस्या बनकर खड़ा हो गया है। ईरान पर इजरायल और अमेरिका द्वारा थोपे गये युद्ध में हजारों आदमी युद्ध की बली चढ़ गए हैं। पूरा मध्य पूर्व युद्ध की चपेट में है। लगभग पूरा विश्व, अमेरिका और इजराइल को छोड़कर यह आस लगाए हैं कि युद्ध कब खत्म हो, अब खत्म हो ताकि होर्मुज की खाड़ी से तेल की सप्लाई व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे। ईरान युद्ध ट्रंप के गले की फाँस बन गया है। ट्रंप ने सोचा था कि आसमान से बम गिराकर, ईरान में सत्ता परिवर्तन संभव हो जाएगा। ईरान पर कुछ बम गिरने के बाद, ईरान की जनता के सत्ता के खिलाफ खड़ी हो जाएगी जबकि ऐसा नहीं हुआ क्योंकि ईरान की जनता यह भलीभाँति जानती है कि ईरान की रिवॉल्यूशनरी गार्ड के सामने जनता का जमावड़ा, गोलियों से भून दिया जाएगा। इस जमावड़े में जिनको बंदी बना लिया जाएगा, उनके पदचिन्ह धरती से उठ जाऐंगे। मेरे अपने एक ईरानी परिचित ने व्हाट्सएप के माध्यम से बिना अपना नाम उजागर किये जाने की शर्त पर व्हाट्सएप पर यह लिख भेजा है कि हम इस सत्ता से स्वतंत्र होने का इंतजार कर रहे हैं। युद्ध की शुरुआत में, कुछ सत्ता परिवर्तन समर्थक लोग ईरान की सड़कों पर निकले थे लेकिन क्रांति का रूप न लेकर, सड़कों पर जल्द ही शांति छा गई। दो सप्ताह से अधिक समय की बमबारी और ईरान का अमेरिकी अड्डों पर मिसाइलों से उलट जवाब, होर्मुज की अग्निबाणों से नाकेबंदी से अब रजा पहलवी के बेटे को ईरान की सत्ताधारी बनने बनाने का सपना भी धराशायी हो गया है।

अमेरिकी सैनिकों की ईरान की धरती पर उपस्थिति के बिना सत्ता परिवर्तन सम्भव नहीं है। सत्ता परिवर्तन की भूखी निहत्थी जनता को सैनिकों का साथ चाहिए। ईरान पर युद्ध झोंकने के बाद, ट्रंप नाटो देशों को सीधे-सीधे यह कह रहा है कि यदि इस समय तुमने मेरी मदद नहीं की तो हम इस बात को याद रखेंगे। मूलतः नाटो में यूरोप के देश हैं। रूस द्वारा यूक्रेन पर थोंपा गया युद्ध अपने चार बरस पूरे कर चुका है। यह युद्ध यूरोप के आँगन से जुड़ा है। यूक्रेन ही नहीं यूरोप भी चार साल से इस युद्ध से उपजी विस्थापन की लहर और आर्थिक कारणों से जूझ रहा है। यूरोपीय देश किसी भी कीमत पर नहीं चाहते कि यूक्रेन पर रूस का आधिपत्य हो जाए।

ईरान युद्ध पर अमेरिका का साथ देने में यूरोप की स्थिति साँप के मुँह में छछूँदर की सी है। याद रहे कि विश्व का 20 प्रतिशत कच्चा तेल होर्मुज की खाड़ी से होकर दुनियाँ भर में सप्लाई किया जाता है। ट्रम्प होर्मुज की खाड़ी में तेल टैंकरों के यातायात को ईरान के अग्निबाणों से बचाने के लिए चीन को भी ढ़ाल बनने के लिए कह रहा है। चीन ऐसा कदापि नहीं करेगा। ईरान के युद्ध से चीन मजबूत हो रहा है। ट्रम्प ने ईरान पर, युद्ध झोंकने के समय, नाटो देशों के साथ सम्पर्क नहीं किया था। नाटो देशों को इस युद्ध की कानोंकान खबर नहीं थी। इसी कारण यूरोपीय देश कह रहे हैं कि यह हमारा युद्ध नहीं है। हालाँकि ईरान युद्ध की शुरुआती के दिनों में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री स्ट्रामर ने अमेरिका की मदद की पहल पर ट्रम्प ने कहा हम युद्ध जीत रहे हैं। मदद की क्या जरूरत है. अमेरिका के दादा ने दुनियाँ के देशों पर, ताबड़तोड़ व्यापार कर लगाकर निचोड़ना शुरू कर दिया था। आज वही अमेरिकी दादागिरी होर्मुज की खाड़ी में सहयोग के लिए भिखारीपन पर उतरी हुई है। ट्म चीन जैसे प्रतिद्वंद्वी से सहयोग चाहता है। अमेरिकी उपभोक्ता पेट्रोल पंप पर, कारों में पेट्रोल भराते समय, महंगे दामों में पेट्रोल खरीद पर कह रहे हैं कि ईरान युद्ध में खर्च हमारी जेब से हो रहा है। यह सब हमारा पैसा है, ट्रंप का पैसा नहीं है। युद्ध विशेषज्ञों द्वारा इस युद्ध के शुरुआत के दो दिनों में हुए युद्ध खर्च का आकलन पांच बिलियन से अधिक का खर्च आँका जा रहा है। इन 18 दिनों में कितना खर्च हुआ होगा सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है। ट्रंप अपने ही किये के जाल में फंस गया है। ''अमेरिका ग्रेट अगेन'' कहकर उसने राष्ट्रपति का चुनाव जीता था और उसने यह बहुत ही शब्द स्पष्ट शब्दों में कहा था कि अब आगे से हम युद्ध नहीं लड़ेंगे। हम अमेरिका की अर्थव्यवस्था को सुधारेंगे। अमेरिका की अर्थव्यवस्था में सुधार, हमारी पहली प्राथमिकता होगी लेकिन साल भर होते ही ट्रंप ने ईरान पर दोबारा हमला कर दिया है। युद्ध जारी है। देखो ऊँट किस करवट बैठता है। यूक्रेन का राष्ट्रपति जब अमेरिका के राष्ट्रपति से मिलने व्हाइट हाउस गया था तो ट्रम्प ने उसकी बहुत बेईज्जती की थी। इतिहास में शायद ही ऐसा कोई उदाहरण मिलता हो जब एक राष्ट्रपति द्वारा दूसरे राष्ट्रपति को कैमरे के सामने बेइज्जत किया गया। उस समय ट्रंप ने बहुत कड़े शब्दों में यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की से कहा था कि ''यू डोंट हैव कार्ड्स।''

अब समय आ गया है ये शब्द ''यू डोंट हैव कार्ड्स'' शीशे पर लिखकर, ट्रम्प को दिन में आठ दस बार शीशा दिखाया जाना चाहिए जानकारों के अनुसार ट्रम्प की नाटो देशों से मदद की पुकार न होकर भविष्य की फुँफकार भी है। दादागिरी करने वाला यही कहता है कि मैं देख लूंगा। इस समय यूरोप को एक स्वर में कहना चाहिए। यह हमारा युद्ध नहीं है। यूरोपीय देशों को यूक्रेन और ईरान के मामले में ट्रम्प को कटघरे में खड़ा करके डील करनी चाहिए। ज्यादा अच्छा तो यह होगा कि ''यू डोंट हैव कार्ड्स'' लिखा दर्पण दिखा कर, डील करनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसे उन्मादी युद्धों से मानवता को बचाया जा सके।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी अगले हफ्ते पहुंचेंगे, 26 मार्च से शुरू होगा टूर्नामेंट

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने सुरक्षा चिंता खारिज की

लाहौर, एजेंसी

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (PCB) ने पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) को लेकर विदेशी खिलाड़ियों की सुरक्षा और यात्रा से जुड़ी चिंताओं को खारिज कर दिया है। बोर्ड का कहना है कि सभी इंतजाम पूरे हैं और ऑस्ट्रेलिया समेत अन्य देशों के खिलाड़ी तय कार्यक्रम के अनुसार पाकिस्तान पहुंचेंगे। PSL का 11वां सीजन 26 मार्च से लाहौर में शुरू होगा। पहला मैच लाहौर कलंदर्स और हैदराबाद किंग्समेन के बीच खेला जाएगा। इस बार टूर्नामेंट में घरेलू खिलाड़ियों के

साथ बड़ी संख्या में विदेशी खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिनमें खास तौर पर ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर शामिल हैं। इस सीजन में स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर, एडम जाम्पा, पीटर सिडल, मार्नस लाबुशेन जैसे कई ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी खेलने वाले हैं।

मिडिल ईस्ट में तनाव के चलते सुरक्षा का मामला था

हाल के दिनों में रिपोर्ट आई थी कि मिडिल ईस्ट में तनाव और अफगानिस्तान सीमा के हालात को देखते हुए कुछ खिलाड़ियों को यात्रा को लेकर सलाह दी गई है। खास तौर पर पेशावर में होने वाले मैच को लेकर बात सामने आई थी, क्योंकि यह शहर अफगान सीमा के करीब है हालांकि, PCB का कहना है कि लीग पहले भी इससे बड़े हालात में आयोजित हो चुकी है और इस बार भी सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर तैयारी की गई है। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों के पाकिस्तान आने को लेकर किसी तरह की चिंता नहीं है और वे अगले हफ्ते से पहुंचना शुरू कर देंगे।

इस्लामाबाद और लाहौर के 3-3 खिताब

पाकिस्तान सुपर लीग (PSL) के 2016 से 2025 तक के इतिहास में इस्लामाबाद यूनाइटेड और लाहौर कलंदर्स सबसे सफल टीमें रही हैं। दोनों ने 3-3 बार खिताब अपने नाम किया है। इस्लामाबाद यूनाइटेड ने 2016, 2018 और 2024 में ट्रॉफी जीती, जबकि लाहौर कलंदर्स ने 2022, 2023 और 2025 में चैंपियन बनने का रिकॉर्ड बनाया। इसके अलावा बाकी टीमों में मुल्तान सुल्तांस, क्वेटा ग्लैडिएटर्स, कराची किंग्स और पेशावर जाल्मी ने एक-एक बार खिताब जीता है। मुल्तान ने 2021, क्वेटा ने 2019, कराची ने 2020 और पेशावर ने 2017 में ट्रॉफी अपने नाम की।

इसके अलावा बाकी टीमों में मुल्तान सुल्तांस, क्वेटा ग्लैडिएटर्स, कराची किंग्स और पेशावर जाल्मी ने एक-एक बार खिताब जीता है। मुल्तान ने 2021, क्वेटा ने 2019, कराची ने 2020 और पेशावर ने 2017 में ट्रॉफी अपने नाम की। और वे अगले हफ्ते से पहुंचना शुरू कर देंगे।

सबसे बड़ा आईपीएल, इस बार 84 मुकाबले

मुंबई, एजेंसी

ठीक 10 दिन बाद, यानी 28 मार्च की शाम जब बेंगलुरु के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में टॉस के लिए सिक्का उछलेगा, तो भारत में सिर्फ एक टूर्नामेंट नहीं, बल्कि एक 'त्योहार' की शुरुआत होगी। IPL का 19वां सीजन अपने अब तक के सबसे भव्य और लंबे अवतार में हमारे सामने आ रहा है। यह सीजन पिछले 18 सालों के इतिहास से अलग है। इस बार 10 टीमों के बीच कुल 84 मुकाबले खेले जाएंगे, जो इसे अब तक का सबसे बड़ा सीजन बनाएंगे। पहले अधिकतम 74 मैच होते थे। 10 टीमों के बीच देशभर के 13 अलग-अलग वेन्यू पर 64 दिन चौके-छक्के का रोमांच नजर आएगा। नए सीजन के लिए सभी 10 टीमों ने तैयारियां तेज कर दी हैं और प्री-सीजन ट्रेनिंग कैंप के जरिए खिलाड़ी मैच मोड में आने की कोशिश कर रहे हैं। वर्ल्ड कप खत्म

होने के ठीक 20 दिन बाद आईपीएल शुरू हो रहा है। ऐसे में बीसीसीआई और आईपीएल फ्रेंचाइजी मिलकर कई प्रमुख खिलाड़ियों के वर्कलोड पर नजर भी रख रही हैं। चेन्नई के कप्तान ऋतुराज, धोनी समेत कई खिलाड़ी 1 मार्च से नवेलूर स्थित हाई परफॉर्मेंस सेंटर में अभ्यास शुरू कर चुके हैं। वेंकटेश और सुयश शर्मा जैसे खिलाड़ी शामिल रहे। गुजरात के 16 फरवरी से नाथद्वारा में आयोजित कैंप में कप्तान शुभमन और साई सुदर्शन शामिल थे। टीम जनवरी में भी कैंप कर चुकी है। पंजाब किंग्स ने 8-14 फरवरी तक अबु धाबी में कैंप किया।

विमेंस वनडे रैंकिंग में मंधाना नंबर-1 पर कायम

दुबई। महिला वनडे रैंकिंग में भारतीय उपकप्तान स्मृति मंधाना ने नंबर-1 स्थान बरकरार रखा है, जबकि कप्तान हरमन-प्रीत कौर एक स्थान ऊपर चढ़कर सातवें नंबर पर पहुंच गई हैं। मंगलवार को जारी ताजा रैंकिंग में हरमनप्रीत को जहां एक स्थान का फायदा हुआ, वहीं न्यूजीलैंड की सोफी डिवाइन दो पायदान नीचे खिसककर 9वें स्थान पर पहुंच गई हैं। जेमिमा रोड्रिग्स 12वें स्थान पर हैं। न्यूजीलैंड की बल्लेबाज मेडि ग्रीन ने जिम्बाब्वे के खिलाफ 94 रन की शानदार पारी खेलकर बड़ा फायदा उठाया। उनकी टीम ने यह मैच 200 रन से जीता और सीरीज 3-0 से अपने नाम की। ग्रीन 5 स्थान की छलांग लगाकर 17वें नंबर पर पहुंच गई हैं, उनके 610 रेटिंग पॉइंट्स करियर के सर्वश्रेष्ठ हैं। अमेलिया केर ने ऑलराउंड प्रदर्शन करते हुए अंतिम वनडे में 80 रन बनाए और 5 विकेट लिए। उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच और प्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया। वे बल्लेबाजी रैंकिंग में 21वें से संयुक्त 19वें स्थान पर पहुंच गई हैं। अन्य खिलाड़ियों में इसाबेल गेज 61वें स्थान पर पहुंचीं, जबकि रोजमेरी मेयर और ब्री इलिंग ने गेंदबाजी रैंकिंग में क्रमशः 58वां और 79वां स्थान हासिल किया।

फास्ट न्यूज

'केदारनाथ में सारा अली खान को एफिडेविट से मिलेगी एंट्री'

देहरादून। उत्तराखंड में बद्रीनाथ और केदारनाथ धाम में गैर-सनातनियों के प्रवेश को लेकर श्री बदरीनाथ-केदारनाथ मंदिर समिति (BKTC) ने एक सब-कमेटी गठित कर दी है, इस एसओपी के आधार पर उन लोगों के प्रवेश को वर्जित किया जाएगा जो सनातन धर्म में आस्था नहीं रखते। इसी दौरान जब उनसे पूछा गया कि क्या बॉलीवुड एक्ट्रेस सारा अली खान को भी केदारनाथ में एंट्री नहीं मिलेगी?

मार्च के पहले हफ्ते में एलपीजी की खपत 17% घटी

नई दिल्ली। देश भर में मार्च के पहले हफ्ते में लिक्विफाइट पेट्रोलियम गैस(LPG) की खपत 17% घटी है। ये असर वेस्ट एशिया में बने जंग के हालातों की वजह से हुआ है। 90% मार्केट शेयर वाली 3 सरकारी कंपनियों के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले साल की तुलना में LPG की खपत कम हुई है। मार्च की इस अवधि में LPG की खपत 1.147 मिलियन टन रही, जबकि पिछले साल इसी समय में ये 1.387 मिलियन टन थी। ईरान पर अमेरिका और इजराइल ने संयुक्त रूप से 28 फरवरी 2026 को हमला कर दिया था । दोनों देशों ने मिलकर ईरान के कई सैन्य ठिकानों, मिसाइल साइटों, परमाणु सुविधाओं और नेतृत्व पर सैकड़ों हवाई हमले किए।

रिलायंस-एचडीएफसी सहित 5 बीमा कंपनियों पर 8 करोड़ का जुर्माना

नई दिल्ली। सरकार ने गलत तरीके से पॉलिसी बेचने और नियमों के उल्लंघन के मामले में रिलायंस जनरल इंश्योरेंस, HDFC लाइफ और SBI लाइफ जैसी 5 बड़ी कंपनियों पर करीब 8 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया है। इसके साथ ही, इंश्योरेंस मार्केट का दायरा बढ़ाने के लिए सरकार अब 25,000 ग्राम पंचायतों को बीमा कवरेज के दायरे में लाने की तैयारी कर रही है।

शाहरुख फिर करेंगे रोमांस, विंटेज लुक में नई फिल्म

क्लासिक कहानी को मॉडर्न टच के साथ पेश करेंगे

मुंबई, एजेंसी

बॉलीवुड के बादशाह शाहरुख खान एक बार फिर अपने पुराने रोमांटिक अंदाज में दर्शकों के बीच लौटने की तैयारी कर रहे हैं। हालिया रिपोर्ट्स के अनुसार, फिल्म कींग के बाद शाहरुख एक बड़े बजट की रोमांटिक फिल्म में नजर आ सकते हैं, जिसमें उनका लुक इस बार काफी अलग और विंटेज स्टाइल का होगा। बताया जा रहा है कि इस फिल्म के जरिए शाहरुख खान एक बार फिर वही जादू बिखेरने वाले हैं, जिसने उन्हें रोमांस का किंग बनाया। उनका यह नया अवतार दर्शकों को पुराने दौर की याद दिलाने के साथ-साथ एक ताजगी भरा अनुभव भी देगा। सूत्रों के अनुसार, इस फिल्म में

शाहरुख खान एक परिपक्व और गहराई वाले किरदार में नजर आएंगे। उनका यह रोल उनके करियर के उन सुनहरे दौर की याद दिलाएगा, जब उन्होंने दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे, कुछ कुछ होता है और वीर-ज़ारा जैसी सुपरहिट रोमांटिक फिल्मों में काम किया था। लंबे समय बाद वे इस शैली में वापसी करने जा रहे हैं, जिससे उनके प्रशंसकों की उत्सुकता काफी बढ़ गई है।

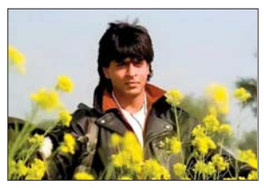

फैंस को आधिकारिक घोषणा का इंतजार

अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा, तो यह फिल्म आने वाले समय में बॉलीवुड की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक बन सकती है।

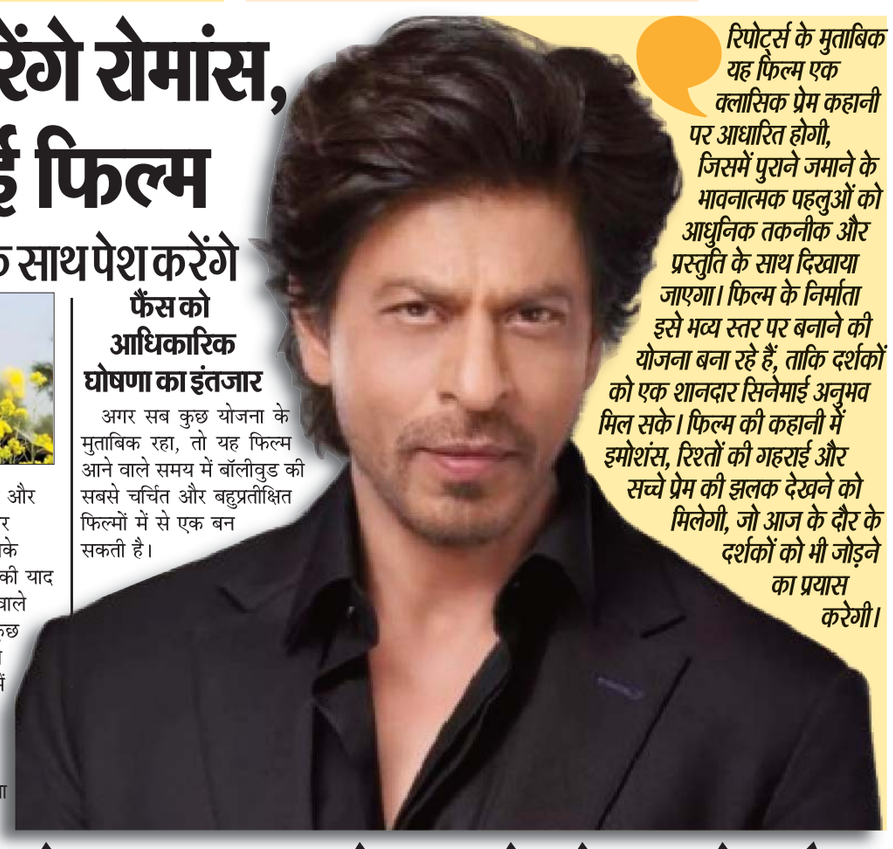

रिपोर्ट्स के मुताबिक यह फिल्म एक क्लासिक प्रेम कहानी पर आधारित होगी, जिसमें पुराने जमाने के भावनात्मक पहलुओं को आधुनिक तकनीक और प्रस्तुति के साथ दिखाया जाएगा। फिल्म के निर्माता इसे भव्य स्तर पर बनाने की योजना बना रहे हैं, ताकि दर्शकों को एक शानदार सिनेमाई अनुभव मिल सके। फिल्म की कहानी में इमोशंस, रिश्तों की गहराई और सच्चे प्रेम की झलक देखने को मिलेगी, जो आज के दौर के दर्शकों को भी जोड़ने का प्रयास करेगी।

एलपीजी सिलेंडर की कमी पर अक्षय कुमार ने दिया रिएक्शन

पत्नी ट्विंकल ने 2 इंडक्शन ऑर्डर किए, कहा- अभी तक तो कोई प्रॉब्लम नहीं है

नई दिल्ली, एजेंसी

ईरान-इजरायल जंग के बीच भारत में LPG सिलेंडर की किल्लत हो गई है। देश में कमर्शियल सिलेंडर पर रोक लगा दी गई, जिससे आम जनता के बीच भी सिलेंडर के लिए मारामारी हो रही है। इसी बीच एक्टर अक्षय कुमार ने इस किल्लत पर रिएक्शन दिया है। उनका कहना है कि उनकी पत्नी ट्विंकल खन्ना ने खबर मिलते ही इंडक्शन खरीद लिया है। अक्षय कुमार मंगलवार को बीएमसी कमिश्नर भूषण गगरानी की प्रेस कॉन्फ्रेंस का हिस्सा बने थे। इस दौरान उनसे गैस सिलेंडर की किल्लत होने पर सवाल किया गया, तो एक्टर ने कहा, "तो मेरी पत्नी ने परसों, देखिए, अभी तक तो कोई समस्या

नहीं है। लेकिन जो नया ओवन आया है, जो इंडक्शन जैसा है, तो हमने दो खरीद लिए हैं। तो आप भी खरीद लीजिए।" जब एक्टर से पूछा गया कि क्या वो इंडक्शन उनके घर पहुंच गया है, तो एक्टर ने कहा, "फिलहाल तो मुझे यह नहीं पता, लेकिन मुझे इतना मालूम है कि मेरी पत्नी ने उसे ऑर्डर कर दिया है। वह घर पर पहुंचा है या नहीं, यह मुझे अभी तक पता नहीं है।" बता दें कि अक्षय कुमार के पास इन दिनों कई बड़ी फिल्में हैं। वो जल्द ही फिल्म भूत बंगला में नजर आएंगे, जो एक हॉरर कॉमेडी फिल्म है। 2 अप्रैल को रिलीज होने वाली इस फिल्म में अक्षय कुमार के साथ वामिका गब्बी, तब्बू, परेश रावल और राजपाल यादव अहम किरदारों में हैं। इसके अलावा अक्षय वेलकम टू द जंगल, हेरा फेरी 3 और हैवान में भी नजर आने वाले हैं। इसके अलावा अक्षय ने हाल ही में रोहित शेट्टी की गोलमाल फ्रैंचाइली की 5वीं फिल्म गोलमाल भी शुरू कर दी है। जब एक्टर से पूछा गया कि क्या वो इंडक्शन उनके घर पहुंच गया है, तो एक्टर ने कहा, "फिलहाल तो मुझे यह नहीं पता, लेकिन मुझे इतना मालूम है कि मेरी पत्नी ने उसे ऑर्डर कर दिया है।

पाकिस्तान को सस्ता तेल देने को तैयार रूस

बोला- वो खुद बात करे, पाक के पास सिर्फ 11 दिन का ऑयल रिजर्व

सप्लाई

इस्लामाबाद, एजेंसी

पाकिस्तान में रूसी राजदूत अल्बर्ट खोरेव ने कहा है कि रूस पाकिस्तान को सस्ता तेल देने के लिए तैयार है। लेकिन अभी तक पाकिस्तान की तरफ से इस बारे में कोई आधिकारिक मांग नहीं की गई है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान खुद पहल करता है, तो रूस उसे कम कीमत पर तेल सप्लाई कर सकता है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, रूसी कच्चे तेल की कीमत करीब 70 से 76 डॉलर प्रति बैरल है, जबकि अंतरराष्ट्रीय बाजार में यही कीमत 95 से 105 डॉलर प्रति बैरल के बीच है। वहीं, पाकिस्तान के पेट्रोलियम सचिव ने संसद की एक समिति को बताया कि देश के पास फिलहाल सिर्फ 11 दिन का कच्चा

तेल बचा है। वहीं, पैट्रोल 321 PKR (पाकिस्तानी रुपए) और डीजल 335 PKR प्रति लीटर मिल रहा है। डीजल की कीमत 88 डॉलर से बढ़कर 187 डॉलर और पेट्रोल 74 डॉलर से बढ़कर 130 डॉलर तक पहुंच गया है। पहले जहां तेल 4-5 दिन में पहुंच जाता था, अब रेड सी के रास्ते आने में करीब 12 दिन लग रहे हैं। रूस ने 2023 में भी पाकिस्तान को ऑयल सप्लाई की थी। तब जून 2023 में पहला जहाज कराची पहुंचा था। उस समय यह डील उतनी फायदेमंद साबित नहीं हुई, जितनी उम्मीद की जा रही थी। पाकिस्तान की रिफाइनरियों को रूसी तेल प्रोसेस करने में दिक्कत आई, क्योंकि इससे पेट्रोल और डीजल कम निकलता था और फर्नेस ऑयल ज्यादा बनता था। इसके अलावा रूस से तेल लाने में दूरी ज्यादा होने के कारण शिपिंग खर्च भी बढ़ गया।

पाकिस्तान में कतर से आने वाली गैस सप्लाई बंद

अधिकारियों ने यह भी बताया कि कतर से आने वाली गैस सप्लाई लगभग बंद हो गई है। मार्च में आने वाले 8 LNG कार्गो में से सिर्फ 2 ही पहुंचे, जबकि अप्रैल में भी आधे से ज्यादा कार्गो नहीं पहुंच सकते। ऐसे में गैस की सप्लाई घट सकती है और सरकार घरेलू इस्तेमाल के लिए गैस बचाने पर विचार कर रही है। हालात को संभालने के लिए पाकिस्तानी सरकार ने 23 अरब पाकिस्तानी रुपए की सब्सिडी देने का फैसला किया है, जो मोटरसाइकिल और रिक्शा चलाने वाले करीब 3 करोड़ लोगों को दी जाएगी। यह पैसा सरकार की बचत से दिया जाएगा, जो खर्च कम करने की पॉलिसी से आया है। सरकार रोजाना तेल के स्टॉक पर नजर रख रही है। वित्त मंत्री ने कहा कि देश में अभी तेल की सप्लाई ठीक है और लोगों को बेवजह पेट्रोल जमा करने की जरूरत नहीं है। सरकार ने यह भी चेतावनी दी है कि अगर कोई जमाखोरी की कोशिश करेगा, तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पाकिस्तान को रोजाना लगभग 5 से 6 लाख बैरल कच्चे तेल (क्रूड ऑयल) की जरूरत पड़ती है।

पाकिस्तान होर्मुज से तेल लाने के लिए ईरान से बात कर रहा

पाकिस्तान सरकार ईरान से बात कर रही है ताकि होर्मुज स्ट्रेट से तेल लाने की इजाजत मिल सके। अगर मंजूरी मिलती है, तो पाकिस्तान के चार जहाज इस रास्ते से तेल ला सकते हैं। साथ ही अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि 14 अप्रैल के बाद देश में गैस की भारी कमी हो सकती है, क्योंकि LNG की सप्लाई भी प्रभावित हुई है। पाकिस्तान का करीब 70% तेल मिडिल ईस्ट से आता है, लेकिन जंग के कारण शिपिंग रूट और सप्लाई चेन पर असर पड़ा है। तेल की कीमतें भी तेजी से बढ़ी हैं।

सेंसेक्स में 633 अंक चढ़कर 76,704 पर बंद

निफ्टी में भी 197 अंक की तेजी, 23,778 पर आया

मुंबई, एजेंसी

शेयर बाजार में आज यानी 18 मार्च को तेजी रही। सेंसेक्स करीब 633 अंक (0.83%) चढ़कर 76,704 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी में भी 197 अंक (0.83%) की तेजी रही, यह 23,778 के स्तर पर पहुंच गया है। आज IT और रियल्टी शेयरों में खरीदारी दिखी। SBI म्यूचुअल फंड ने अर्बन कंपनी में एडिशनल हिस्सेदारी खरीदी है। इसके बाद आज कंपनी के शेयर में 10% की तेजी रही। ये 122 रुपए के करीब बंद हुआ। एग्रोकेमिकल कंपनी GSP क्रॉप साइंस के IPO का आज आखिरी दिन है। ये IPO 16 मार्च को ओपन हुआ था। इसमें मिनिमम 14,720 रुपए लगाने होंगे। 18 मार्च को शेयर बाजार में बढ़त रही थी। सेंसेक्स 568 अंक की तेजी के साथ 76,071 पर बंद हुआ था। निफ्टी में भी 172 अंक की बढ़त

रही, ये 23,581 पर बंद हुआ था। साउथ कोरिया का कोस्पी इंडेक्स 5.04% चढ़कर 5,925 पर बंद हुआ। जापान का निक्केई इंडेक्स 2.87% चढ़कर 55,239 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.61% चढ़कर 26,025 पर बंद हुआ। चीन का शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.32% ऊपर 4,062 पर बंद हुआ। SBI म्यूचुअल फंड ने अर्बन कंपनी में एडिशनल हिस्सेदारी खरीदी है। इसके बाद आज कंपनी के शेयर में 10% की तेजी रही। ये 122 रुपए के करीब बंद हुआ।

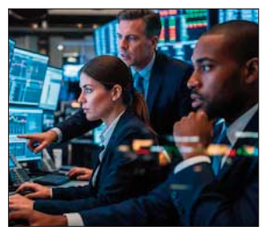

गिरावट : सोना ₹4,778 गिरकर ₹1.55 लाख पर आया, ईरान जंग का असर

चांदी तीन दिन में ₹18,138 सस्ती, ₹2.50 लाख पर आई

नई दिल्ली, एजेंसी

सोने-चांदी की कीमतों में आज गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के मुताबिक, एक किलो चांदी की कीमत 2,177 रुपए घटकर 2.50 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले मंगलवार को इसकी कीमत 2.52 लाख रुपए किलो थी। वहीं, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 143 रुपए गिरकर 1.55 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले 17 मार्च को सोना 1.56 लाख रुपए प्रति 10g था। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना तीन दिन में 4,778 और चांदी 18,138 सस्ती हुई है।

आमतौर पर जंग के माहौल में सोने-चांदी के दाम बढ़ते हैं, लेकिन इस बार स्थिति थोड़ी अलग हैः मिडिल ईस्ट जंग के कारण निवेशक जोखिम नहीं लेना चाह रहे हैं। वे अपने गोल्ड और सिल्वर को बेचकर 'कैश' इकट्ठा कर रहे हैं ताकि अनिश्चितता के समय उनके पास लिक्विड मनी रहे। जनवरी में कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई थीं, इसलिए बड़े निवेशकों ने ऊंचे दामों पर अपनी होल्डिंग बेचना शुरू कर दिया, जिससे बाजार में सप्लाई बढ़ गई और कीमतें गिर गईं।

ज्वेलर्स से सोना खरीदते समय इन 2 बातों का रखें ध्यान

1. **सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें :** हमेशा ब्यूरो ऑफ इंडियन स्टैंडर्ड (BIS) का हॉलमार्क लगा हुआ सर्टिफाइड गोल्ड ही खरीदें। ये नंबर अल्फान्यूमेरिक यानी कुछ इस तरह से हो सकता है– AZ4524। हॉलमार्किंग से पता चलता है कि सोना कितने कैरेट का है।
2. **कीमत क्रॉस चेक करें :** सोने का सही वजन और खरीदने के दिन उसकी कीमत कई सोर्सेज (जैसे इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन की वेबसाइट) से क्रॉस चेक करें। सोने का भाव 24 कैरेट, 22 कैरेट और 18 कैरेट के हिसाब से अलग-अलग होता है।

अलग-अलग शहरों में सोने के दाम अलग होने की 4 वजहें

* **ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटी:** सोना एक शहर से दूसरे शहर ले जाने में ईंधन और भारी सुरक्षा का खर्च आता है। आयात केंद्रों से दूरी बढ़ने पर ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ जाती है, जिससे स्थानीय दाम बढ़ जाते हैं।
* **खरीदारी की मात्रा :** दक्षिण भारत जैसे इलाकों में खपत ज्यादा (करीब 40%) होने के कारण ज्वेलर्स भारी मात्रा में सोना खरीदते हैं। इससे मिलने वाली छूट का फायदा ग्राहकों को कम दाम के रूप में मिलता है।
* **लोकल ज्वेलरी एसोसिएशन:** हर राज्य और शहर के अपने ज्वेलरी एसोसिए-शन (जैसे तमिलनाडु में मद्रास ज्वेलर्स एसोसिएशन) होते हैं। ये संगठन स्थानीय मांग और सप्लाई के आधार पर अपने इलाके के लिए सोने का रेट तय करते हैं।
* **पुराना स्टॉक और खरीद मूल्य:** ज्वेलर्स ने अपना स्टॉक किस रेट पर खरीदा है, यह भी मायने रखता है। जिन ज्वेलर्स के पास पुराने और सस्ते रेट पर खरीदा हुआ स्टॉक होता है, वे ग्राहकों से कम कीमत वसूल सकते हैं।

सरकार ने पैन आवेदन नियमों में बदलाव की किया एलान

नई दिल्ली। सरकार ने स्थायी खाता संख्या (पैन) आवेदन प्रक्रिया में बदलाव की घोषणा की है। ये संशोधित नियम 1 अप्रैल, 2026 से लागू होंगे। नागरिकों को 31 मार्च, 2026 से पहले केवल आधार का उपयोग करके आवेदन करने की सलाह दी गई है। नए ढांचे के तहत, पैन कार्ड के लिए केवल आधार-आधारित आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। सरकार समर्थित कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी) ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर यह जानकारी दी है। वर्तमान में आवेदक केवल आधार का उपयोग करके पैन कार्ड प्राप्त कर सकते हैं। हालांकि, 1 अप्रैल से आधार के साथ जन्म तिथि के प्रमाण सहित अतिरिक्त दस्तावेज आवश्यक होंगे। सीएससी ने आगे कहा कि पैन कार्ड पर नाम आधार रिकॉर्ड के साथ सख्ती से संरेखित किए जाएंगे। पैन कार्ड वित्तीय और बैंकिंग लेनदेन के लिए एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। आधार भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण द्वारा जारी एक 12-अंकीय विशिष्ट पहचान संख्या है। आवेदक प्रोटियन (पूर्व में एनएस-डीएल ई-गवर्नेंस), यूटीआई इन्फ्रास्ट्रक्चर टेक्नोलॉजी एंड सर्विसेज लिमिटेड के पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं।

24 घंटे में गारंटी के साथ पार्सल की डिलीवरी

देरी होने पर मिलेगा पूरा पैसा, डाक विभाग की 3 प्रीमियम सर्विस लॉन्च

नई दिल्ली, एजेंसी

अब आप इंडिया पोस्ट के जरिए अपने जरूरी डॉक्युमेंट्स या पार्सल 24 घंटे के अंदर भेज सकेंगे। भारतीय डाक विभाग ने आज 17 मार्च को 3 नई प्रीमियम सर्विस लॉन्च की हैं। इस सर्विस में डाक विभाग से आपको लिखित गारंटी मिलेगी। खास बात ये है कि अगर तय समय में डिलीवरी नहीं हुई तो 'मनी-बैक गारंटी' के तहत आपको पूरे पैसे वापस मिलेंगे। डाक विभाग ने इस सर्विस को फिलहाल देश के 6 प्रमुख मेट्रो शहरों में शुरू किया है। इनमें दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद शामिल हैं। इन शहरों में डिलीवरी के टाइम-

लाइन को पूरा करने के लिए विभाग ने अलग से प्रोसेसिंग यूनिट्स बनाई हैं और पार्सल भेजने के लिए हवाई जहाज का इस्तेमाल होगा। सर्विस लॉन्च करते हुए दिल्ली के आकाशवाणी भवन से ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा कि यह इंडिया पोस्ट के लिए बदलाव का समय है। उन्होंने बताया कि भारत का ई-कॉमर्स बाजार अभी करीब 11 लाख करोड़ रुपए का है, जिसके 2030 तक 3 गुना बढ़कर 30 लाख करोड़ रुपए होने की उम्मीद है। डाक विभाग इसी बढ़ते बाजार में अपनी हिस्सेदारी मजबूत करना चाहता है।

डाक विभाग की 3 नई सर्विस

24 स्पीड पोस्टः इसमें आपके जरूरी डॉक्यूमेंट्स बुकिंग के अगले दिन पहुंच जाएंगे।

24 स्पीड पोस्ट पार्सलः यह भारी सामान या बॉक्स के लिए है, जिसे 24 घंटे के अंदर डिलीवर करने की गारंटी है।

48 स्पीड पोस्टः इसमें आपके पार्सल को पहुंचने में 2 दिन (48 घंटे) का समय लगेगा, यह थोड़ा सस्ता विकल्प हो सकता है।

पासपोर्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी

गोमतीनगर में पुलिस-वीटीएस टीम मौके पर मौजूद, चौकसी बढ़ी

- ऑफिस की पार्किंग में खड़ी गाड़ियों की भी जांच की जा रही है।
- पासपोर्ट आवेदक ऑफिस में बैठे हुए हैं। नए लोगों को अंदर आने से रोक दिया गया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर स्थित रीजनल पासपोर्ट ऑफिस को बम से उड़ाने की धमकी मिली है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और वीटीएस (विस्फोटक जांच टीम) मौके पर पहुंच गई और पूरे परिसर की जांच शुरू कर दी। इलाके में चौकसी बढ़ा दी गई है। आसपास के इलाकों में सख्ती बढ़ा दी गई है। फिलहाल, ऑफिस में किसी की भी आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। वहां मौजूद हर व्यक्ति और सामान की जांच की जा रही है। तमिलनाडु के

मीडिया मालिक ज्यादातर बहुत ही गरीब हैं। NGO और PETA और फॉर्ड फाउंडेशन जैसे अपने निजी स्वार्थ वाले संगठनों के पास विदेशी मुद्रा में कुछ चंदे से भी अधिक पैसे हैं। वे अपने पैसे से तमिलनाडु में इन विदेशी एजेंडों को आगे बढ़ाने में मदद करते हैं जिन देशों को सबसे ज्यादा विदेशी चंदा मिला है, वे 'इस्लामिक स्टेट' और 'DMK ट्रस्ट' हैं। इस समय इन दोनों ट्रस्टों की कमा तमिलनाडु के उप-मुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के हाथ में है। फिर, इन अरबों डॉलर के ट्रस्टों का इस्तेमाल वोट खरीदने, मीडिया को खरीदने, अखबारों को खरीदने, पत्रकारों को

मौके पर पहुंची पुलिस और जांच टीम

धमकी की सूचना मिलते ही गोमतीनगर पुलिस और वीटीएस की टीम तुरंत हरकत में आ गई। टीम ने पासपोर्ट कार्यालय के अंदर और आसपास के इलाकों में सघन चेकिंग अभियान चलाया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। पासपोर्ट कार्यालय में आने-जाने वाले लोगों की सघन जांच की जा रही है और संदिग्ध गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

खरीदने, और यहां तक कि सरकारी अफसरों (ब्यूरोक्रेट्स) को खरीदने के लिए किया जाता है। इसलिए, अगर कोई चुनावी लड़ाई चल रही होती, तो तमिलनाडु को ऐसे राजनीतिक परिदृश्य पर युद्ध (पानी उद्यमियों) के आगे सिर झुकाना ही होता है। इसलिए, हम तमिल मीडिया संगठनों ने ये फैसला किया है कि अब हम चुनाव जैसे लोकतांत्रिक तरीकों को छोड़कर, गोलियों और बमों के जरिए मां तमिलनाडु की रक्षा करेंगे।

धमकी के स्रोत की जांच जारी

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, धमकी किस माध्यम से दी गई और इसके पीछे कौन लोग शामिल हैं, इसकी जांच की जा रही है। तकनीकी टीम भी इस मामले में जुटी हुई है। अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल स्थिति नियंत्रण में है, लेकिन किसी भी संभावित खतरे को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह सतर्क हैं और हर पहलू की बारीकी से जांच की जा रही है।

धमकी में लिखा- ऑफिस उड़ जाएगा

पासपोर्ट ऑफिस को जो ईमेल मिला है उसमें लिखा है- पाकिस्तान के जासूसों, वॉशरूम में 19 साइनाइड गैस बम लगाए गए हैं, जो दोपहर 2:10 बजे फटेंगे। ईमेल में कर्मचारियों को तत्काल बाहर निकलने और नाक-मुंह ढकने की चेतावनी दी जा रही है।

नाना-नानी से बच्ची को मिलाने लाए दामाद की हत्या

लखनऊ में 4 सालियों ने कमरे में बंद कर मारा, बचाने आई बहन को भी पीटा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में 2 साल की बेटी को नाना-नानी से मिलाने लाए दामाद की ससुरालवालों ने हत्या कर दी। आरोप है कि सास, ससुर, चचिया ससुर और सालियों ने मिलकर उसे पीट-पीटकर मार डाला। इस दौरान उसकी पत्नी बीचबचाव करती रही लेकिन ससुरालवाले नहीं माने। कमरे में बंद कर सबने पिटाई शुरू की। ससुर ने चारपाई का पाया दामाद के सिर पर मार दिया जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना लखनऊ के आशियाना इलाके की मंगलवार रात की है। सेक्टर-I स्थित मकान नंबर ए-1061 में रहने वाले तीर्थराज सिंह के यहां रविवार को नातिन को लेकर बेटी और दामाद आए। मंगलवार रात में खाना खाने के बाद विवाद शुरू हो गया। इस दौरान सबने दामाद को कमरे में बंदकर पिटाई शुरू कर दी। चारपाई के पाए

विष्णु यादव, मृतक — तीर्थराज सिंह, आरोपी

की चोट सिर पर लगते ही दामाद गिर पड़ा। कुछ देर तड़पा फिर दम तोड़ दिया।हत्या-रोपी तीर्थराज सिंह लखनऊ हाईकोर्ट में वकील हैं। वह आशियाना सेक्टर-I स्थित मकान संख्या ए-1061 में पत्नी सरोज और पांच बेटियों राधा, साक्षी, रत्ना, ज्योति और विधि सिंह के साथ रहते हैं। चार साल पहले मझली बेटी साक्षी ने प्रतापगढ़ के विष्णु यादव से परिवार के खिलाफ जाकर लव मैरिज कर ली थी। तीर्थराज सिंह इसी कारण विष्णु से कम बातचीत करते थे। उनके पड़ोसी ने बताया- तीर्थराज अपनी गाड़ी में भाजपा का झंडा लगाकर चलते हैं। दबंग छवि के व्यक्ति हैं। डेढ़ साल पहले दामाद से विवाद होने पर उसे चाकू मारा था। तब भी उनपर कोई कार्रवाई नहीं हुई थी। मृतक दामाद विष्णु यादव (30) के पिता छेदीलाल यादव बेटे की हत्या की खबर सुनकर प्रतापगढ़ से लखनऊ पहुंचे। उन्होंने आशियाना थाने में लिखित शिकायत दी। इसमें आरोप लगाया कि उनके बेटे की हत्या ससुराल वालों ने मिलकर की है। बेटे की शादी करीब 4 साल पहले साक्षी सिंह से प्रेम प्रसंग के चलते हुई थी। इसी से ससुरालवाले शुरू से नाराज थे। शादी के बाद से ही ससुराल पक्ष गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकियां देता था। 15 मार्च को विष्णु अपनी पत्नी के साथ गांव से लखनऊ ससुराल आया था।

फास्ट न्यूज

लखनऊ के पुरनिया पुल पर चाइनीज मांझे से घायल

लखनऊ। लखनऊ में खतरनाक चाइनीज मांझे का कहर थमने का नाम नहीं ले रहा है। बुधवार को अलीगंज थाना क्षेत्र के पुरनिया पुल के पास एक बार फिर बड़ा हादसा हो गया, जहां बाइक सवार युवक मांझे की चपेट में आ गया। हादसे में उसकी गर्दन बुरी तरह कट गई और कान लगभग अलग हो गया, जबकि बाइक पर सवार पत्नी और बच्ची समेत तीन लोग घायल हो गए।

लखनऊ में बंद घरों में चोरी करने वाले गिरफ्तार

लखनऊ। लखनऊ के गोमतीनगर इलाके में पुलिस ने चोरी की कई वारदातों का खुलासा करते हुए एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जबकि एक नाबालिग को संरक्षण में लिया है। आरोपियों के पास से करीब 31 ग्राम सोने और 2 किलो चांदी बरामद हुई है। गोमती नगर एसीपी ने बताया- पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली थी कि शहीद पथ अंडरपास के पास विनीतखण्ड सब्जी मंडी के नजदीक कुछ युवक खड़े हैं। दबिश देकर आरोपी को पकड़ा गया। जांच के दौरान सामने आया कि ये आरोपी गोमतीनगर ही नहीं, बल्कि विभूतिखंड समेत शहर के कई इलाकों में चोरी की घटना को अंजाम दे चुके हैं। पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह अपने साथी के साथ रात में पॉश कॉलोनियों में घूमते थे। जिन घरों में ताला लगा मिलता, उनमें गेट फांदकर घुस जाते और जेवर व कीमती सामान चोरी कर फरार हो जाते।

सड़क निर्माण के दौरान डंपर पलटा...4 मजदूर दबे

बुलंदशहर। बुलंदशहर में सड़क निर्माण कार्य में लगा एक डंपर अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में डंपर में सवार 4 मजदूर दब गए। मौके पर भगदड़ मच गई। साइट पर मौजूद मजदूरों ने कड़ी मशक्कत के बाद डंपर के नीचे दबे मजदूरों को बाहर निकाला। सभी मजदूरों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां दो मजदूरों को मृत घोषित कर दिया गया। शेष दो की हालत भी बेहद गंभीर बनी हुई है।

कानपुर में रेप के बाद हुई थी बच्ची की हत्या

अंतिम संस्कार नहीं करने पर अड़े परिजन, कहा-आरोपियों को फांसी हो

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। कानपुर में 11 साल की बच्ची की रेप के बाद हत्या कर दी गई। पोस्टमॉर्टम के बाद बुधवार सुबह बच्ची का शव जब घर पहुंचा, तो घरवालों ने अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। आरोपियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग पर अड़ गए। करीब 5 घंटे तक पुलिस अफसर और भाजपा नेता परिवारवालों को मनाते रहे, लेकिन वे लोग राजी नहीं हुए। इस बीच पुलिस जबरन बॉडी उठाकर अंतिम संस्कार कराने के लिए ले जाने लगी। तो बच्ची के माता-पिता और गांववालों ने पुलिस से शव छीन लिया। इसके चलते पुलिस की परिवार और गांववालों से झड़प भी हो गई। अभी तक बच्ची का अंतिम संस्कार नहीं किया गया है। इस पूरी घटना का वीडियो भी सामने आया है। वहीं, पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि

बच्ची की रेप के बाद गला दबाकर हत्या की गई है। इसके बाद न्यूड शव को खेत में गड्ढा खोदकर दफना दिया था। बच्ची के गले, चेहरे, सीने, पीठ समेत शरीर के कई हिस्सों में 10 से ज्यादा चोटें और खरोंच के निशान मिले। उसके प्राइवेट पार्ट पर भी चोट के निशान थे। हालांकि, दरिंदगी में कितने लोग शामिल थे, इसकी पुष्टि नहीं हो सकी है। इसके लिए स्लाइड बनाकर लैब भेजी गई है। फिलहाल पिता की एप्लिकेशन पर पड़ोसी 3 सगे भाइयों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

नसीमुद्दीन सिद्दीकी के आवास पर रोजा इफ्तार

अखिलेश यादव समेत कई वरिष्ठ नेता हुए शामिल, गंगा-जमुनी तहजीब और भाईचारे का संदेश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री नसीमउद्दीन सिद्दीकी के कैंट स्थित आवास पर आयोजित रोजा इफ्तार पार्टी में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव शामिल हुए। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेंद्र चौधरी तथा प्रदेश अध्यक्ष श्याम लाल पाल भी मौजूद रहे। कार्यक्रम में शहर के कई गणमान्य नागरिकों और समाजवादी पार्टी के नेताओं की भी बड़ी भागीदारी देखने को मिली। इसके अलावा वरिष्ठ नेता सलामतुल्ला, पूर्व एमएलसी सुनील साजन, पार्टी प्रवक्ता अनुराग भदौरिया, नवाजिश मंजूर, सीएल वर्मा तथा जिलाध्यक्ष जयसिंह जयंत सहित कई अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में शामिल हुए। इस रोजा इफ्तार पार्टी में समाजवादी पार्टी के कई विधायक और वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। इनमें फरीद किदवई, नासिर कुरैशी, नवाब जान, इरफान सोलंकी, रविदास मेहरोत्रा, जासमीर अंसारी, रूमी हसन, नसीम सोलंकी, शहजिल इस्लाम और अताउर्रहमान

अमन-चैन और खुशहाली की दुआ

कार्यक्रम में ईदगाह के इमाम खालिद रशीद फिरंगी महली ने नमाज की अगुवाई की। इसके बाद सभी रोजेदारों ने मिलकर रोजा खोला और देश-प्रदेश में अमन-चैन, भाईचारे और खुशहाली के लिए दुआ की। रोजा इफ्तार कार्यक्रम में कई विधायक और वरिष्ठ नेता भी शामिल हुए। इनमें फरीद किदवई, नासिर कुरैशी, नवाब जान, इरफान सोलंकी, रविदास मेहरोत्रा, जासमीर अंसारी, रूमी हसन, नसीम सोलंकी, शहजिल इस्लाम और अताउर्रहमान प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

गंगा-जमुनी तहजीब का दिया संदेश

इफ्तार कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि भारत की पहचान उसकी मिली-जुली संस्कृति और गंगा-जमुनी तहजीब से है। उन्होंने कहा कि विभिन्न धर्मों और समुदायों के लोग एक-दूसरे के त्योहारों में शामिल होकर खुशियां बांटते हैं, यही भारतीयता की असली पहचान है। उन्होंने कहा कि होली पर सभी मिलकर रंग खेलते हैं और ईद के मौके पर गले मिलकर सेवइयां खाते हैं। यह परंपरा समाज में आपसी प्रेम और भाईचारे को मजबूत करती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समाज को जोड़कर आगे बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है, क्योंकि जितना अधिक मेल-मिलाप होगा, देश उतनी ही तेजी से प्रगति करेगा। प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।इसके अलावा वरिष्ठ नेता सलामतुल्ला, पूर्व एमएलसी सुनील साजन, पार्टी प्रवक्ता अनुराग भदौरिया, नवाजिश मंजूर, सीएल वर्मा तथा जिलाध्यक्ष जयसिंह जयंत सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी और कार्यकर्ता भी कार्यक्रम में शामिल हुए। रोजा इफ्तार के इस आयोजन ने एक बार फिर यह साबित किया कि उत्तर प्रदेश की धरती पर गंगा-जमुनी तहजीब आज भी जीवंत है। नेताओं और आम लोगों की संयुक्त भागीदारी ने भाईचारे, एकता और सौहार्द का संदेश दूर-दूर तक पहुंचाया।

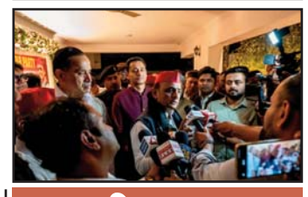

सामाजिक एकता का दिखा संदेश

इस आयोजन के जरिए सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव और भाईचारे का मजबूत संदेश देखने को मिला। विभिन्न वर्गों और समुदायों के लोगों की भागीदारी ने गंगा-जमुनी संस्कृति की जीवंत झलक पेश की।

बेटे के सामने पत्नी को मार डाला

मासूम पुलिस से बोला- पापा ने रात में मम्मी का गला दबाया, हमें डांटा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में पति ने पत्नी की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी। हत्या के बाद पति डेडबॉडी छोड़कर फरार हो गया। वारदात की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस के सामने 6 साल के बेटे ने बताया- पापा रात में मम्मी का गला दबा रहे थे। मैं जगा तो मुझे डांटकर सो जाने को कहा। महिला की पहचान संगीता देवी (32) के रूप में हुई है, जो दो मासूम बच्चों की मां थी। घटना का कारण घरेलू कलेश बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। वारदात सराय इनायत थाना क्षेत्र की है। पूरा मामला सराय इनायत थाना क्षेत्र के गांव पट्टीछीट का है। यहां शैलेश कुमार पत्नी संगीता के साथ रहता था। दोनों की 13 साल पहले शादी हुई थी। उसके दो बेटे शिवम (12 वर्ष) और सिद्धार्थ (6 वर्ष) हैं। संगीता देवी फूलपुर के शेखपुर मोहल्ले की रहने वाली थी और तीन बहनों में सबसे छोटी थी। मंगलवार देर रात पति-पत्नी के बीच किसी बात को लेकर विवाद हुआ। विवाद बढ़ा तो पति ने

- संगीता देवी के सिर में चोट के निशान मिले हैं। इनके दो बेटे हैं।
- घर में खून से लथपथ शव मिला, पुलिस ने पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा है।

पहले पत्नी का गला दबाया। इसके बाद धारदार हथियार से उस पर हमला कर दिया। कमरे में चारों ओर खून के छींटे बिखर गए। मम्मी-पापा की आवाज सुनकर कमरे में सो रहे बच्चे जाग गए। बच्चों ने देखा कि पापा मम्मी का गला दबा रहे थे। दोनों बच्चे चिल्लाए तो पिता ने उन्हें डांटकर चुप करा दिया और सुला दिया। बुधवार सुबह करीब 5 बजे पड़ोसन अनुपमा राव खेत में काम के लिए संगीता को बुलाने पहुंची। काफी आवाज लगाने के बाद भी कोई बाहर नहीं निकला। कुछ देर बाद बच्चे रोते-चिल्लाते हुए घर से बाहर आए। अनुपमा अंदर गईं तो देखा संगीता जमीन पर पड़ी थी। उसके सिर पर चोट के निशान थे और जीभ बाहर निकली थी। शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर जुट गए। सूचना मिलते ही 112 पुलिस और सराय इनायत थाने की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। डीसीपी गंगानगर कुलदीप सिंह गुणावत ने बताया- पुलिस टीम, डॉग स्क्वॉड और फील्ड यूनिट ने मौके से अहम साक्ष्य जुटाए हैं। प्रारंभिक जांच में महिला के सिर पर चोट के निशान मिले हैं। हालांकि, मौत के सही कारणों की पुष्टि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगी। मृतका के भाई की तहरीर पर आरोपी पति शैलेश कुमार के खिलाफ सराय इनायत थाने में मुकदमा दर्ज किया गया है।

परेशानी : कंडों की माला पहनकर सपाइयों का प्रदर्शन, देवरिया में दिव्यांग को लौटाया

सिलेंडर के लिए 8 किमी पैदल चला युवक

तमसा संकेत, एजेंसी

यूपी में गैस सिलेंडर की किल्लत 9वें दिन भी बरकरार है। बाराबंकी में एक व्यक्ति 8 किलोमीटर पैदल चलकर रसोई गैस लेने पहुंचा। मंगलवार आधी रात को ही वह घर से सिलेंडर के लिए लाइन लगाने निकल पड़ा। वह अमित गैस एजेंसी के बाहर तड़के 3 बजे से लाइन में लगा रहा, ताकि किसी तरह सिलेंडर मिल सके। अरुण ने बताया कि उनके पिता कैंसर से पीड़ित हैं, जबकि मां ब्रेन हेमरेज के बाद से गंभीर बीमारी से जूझ रही हैं। उनके दो बेटियां हैं। देवरिया में एक दिव्यांग गैस लेने पहुंचा, लेकिन उसे खाली हाथ लौटना पड़ा। एजेंसी ने बताया कि 12 मार्च को जिन लोगों ने बुकिंग कराई है, आज केवल उन्हीं को सिलेंडर दिए जा रहे हैं। उसने 14 मार्च को बुकिंग कराई थी, इसलिए उसे 3 दिन बाद आने के लिए कहा गया। उधर, लखीमपुर खीरी में सपा कार्यकर्ताओं ने गैस सिलेंडर

को लेकर कलेक्ट्रेट परिसर में प्रदर्शन किया। कार्यकर्ता सिर पर गैस सिलेंडर रखकर और गले में लकड़ी-कंडों की माला पहनकर कलेक्ट्रेट पहुंचे। उन्होंने कहा कि गैस सिलेंडर के बढ़ते दामों ने गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों का बजट बिगाड़ दिया है। लोग फिर से चूल्हे और लकड़ी पर खाना बनाने को मजबूर हो रहे हैं। शनिवार को नोटिफिकेशन जारी में कहा गया कि जिनके पास दोनों कनेक्शन हैं, वे तुरंत नजदीकी LPG डिस्ट्रीब्यूटर या कंपनी के पोर्टल पर जाकर कनेक्शन सरेंडर करें। सरेंडर करने पर जुर्माना नहीं लगेगा, लेकिन नियम तोड़ने पर कानूनी कार्रवाई हो सकती है।

अखिलेश बोले- खाली सिलेंडर जनता के लिए कसरत के काम आ रहा

अखिलेश यादव ने एक वीडियो ट्वीट कर कहा- अब खाली सिलेंडर जनता के लिए कसरत के काम आ रहा है। अखाड़ा सजनेवाला है, भाजपाई तैयार रहें। गोरखपुर में LPG किल्लत ने छोटे व्यापारियों की दिक्कतें बढ़ा दी है। फास्ट फूड के स्टॉल पर केवल मोमो बिक रहे। व्यापारी बोले- दुकान बंद नहीं कर सकते।

प्रयागराज में गैस एजेंसियों पर लंबी-लंबी कतारें, आधी रात से ही लग रही लाइन

प्रयागराज में गैस एजेंसियों पर जहां भारी भीड़ उमड़ रही है। गैस सिलेंडर के लिए लोग आधी रात से ही एजेंसियों पर लाइन में लग जा रहे। कई-कई घंटे तक लाइन में लगने के बावजूद लोगों को सिलेंडर नहीं मिल रहे।

नए नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। सरकार चाहती है कि जिनके पास पीएनजी का विकल्प है, वे सिलेंडर छोड़ दें ताकि सिलेंडर उन लोगों तक पहुंच सके जिनके पास और कोई ऑप्शन नहीं है।

पृष्ठ 01 का शेष...

अमेरिका...

ईरान ने अपने साउथ पार्स गैस फील्ड और अन्य ऊर्जा ठिकानों पर हुए हमलों के जवाब में इजराइल पर मिसाइलें दागी हैं। इजराइली सेना के मुताबिक ईरान की ओर से दागी गई मिसाइलों को इंटरसेप्ट करने के लिए एयर डिफेंस सिस्टम सक्रिय कर दिए गए हैं। साथ ही कतर ने सभी पक्षों से संयम बरतने, अंतरराष्ट्रीय कानून का पालन करने और तनाव कम करने की अपील की है। इजराइल-अमेरिका और ईरान जंग के बीच भारत ने ईरान को मेडिकल सहायता की पहली खेप भेजी है। यह खेप ईरान की रेड क्रिसेंट सोसाइटी को सौंपी गई, जिसमें जरूरी दवाइयां और मेडिकल सप्लाई शामिल हैं। भारत में ईरान के दूतावास ने इस सहायता के लिए भारतीय लोगों का आभार जताया।

इंदौर में ईवी ब्लास्ट...

पुलिस के अनुसार, आग ने घर के अंदर रखे गैस सिलेंडरों को अपनी चपेट में ले लिया। इससे एक के बाद एक सिलेंडर फटने लगे। धमाका इतना तेज था कि मकान का एक हिस्सा ढह गया। घर में लगे डिजिटल लॉक खुल नहीं पाए, इसके कारण अंदर सो रहे लोगों को बाहर निकलने का मौका नहीं मिला। रहवासियों ने बताया कि फायर ब्रिगेड की गाड़ियां सूचना देने के करीब एक घंटे बाद मौके पर पहुंचीं। परिवार ने तिलकनगर मुक्तिधाम में शवों का अंतिम संस्कार किया। एक साथ 7 चिताएं जलीं। बच्चे के शव को दफनाया गया है, जिसे बॉक्स में रखकर लाया गया था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर हादसे पर दुख जताया। उन्होंने मृतकों के परिजन को 2-2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपए देने की घोषणा की है। एमपी के सीएम मोहन यादव ने भी हादसे में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। इंदौर में आग लगने से 8 लोगों की मौत हो गई।

योगी...

प्रदेश की सीमाओं पर नौ स्वागत द्वार का भी मुख्यमंत्री ने बटन दबाकर आनलाइन शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि नौ वर्ष पहले प्रदेश में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब थी, युवाओं के सामने पहचान का संकट था और किसान आत्महत्या को मजबूर थे। बेटी और व्यापारी सुरक्षित नहीं थे, भर्ती निकलती थी तो विवाद और भ्रष्टाचार हावी रहता था। अब प्रदेश में त्योहार शांति और सौहार्द के साथ मनाए जा रहे हैं।

4 मंजिला बिल्डिंग...

जबकि एक व्यक्ति को सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों में प्रवेश (33), कमल (39), आशु (35), लाडो (70), हिमांशी (22), दीपिका (28) और तीन नाबालिग लड़कियां (15, 6 और 3 साल) शामिल हैं। अनिल (32) और 2 साल की एक बच्ची IGI अस्पताल में भर्ती हैं। सफदरजंग अस्पताल में भर्ती सचिन (29) लगभग 25% झुलस चुके हैं। दिल्ली फायर सर्विस के अधिकारी एस. के. दुआ ने बताया कि आग सुबह करीब 7 बजे लगी थी। जब हमारी पहली टीम मौके पर पहुंची, तो नीचे आग की लपटें और ऊपर घना धुआं था। हमारे पहुंचने से पहले दो लोग इमारत से कूद गए थे, जिन्हें लोगों ने अस्पताल पहुंचाया। अधिकारी के मुताबिक, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि कितने लोग घायल हैं।

राहुल टपोरी की...

इसलिए वास्तव में उन्हें राहुल गांधी के बारे में बोलने का कोई अधिकार नहीं है। पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह ने कहा- कंगना को लगता है कि संसद कोई स्टूडियो है, जहां अच्छे कपड़े पहनकर, पूरी तरह तैयार होकर और एक्टिंग करनी होती है।

ईडी रेड में ममता...

एजेंसी ने मुख्यमंत्री और उनके साथ आए अधिकारियों के खिलाफ पुलिस केस दर्ज करने की मांग भी की है। 8 जनवरी को ED की टीम ने प्रतीक जैन के कोलकाता के गुलाउडन स्ट्रीट स्थित घर और दूसरी टीम सॉल्टलेक स्थित दफ्तर पर छापा मारा था। प्रतीक जैन ही ममता बनर्जी के लिए पॉलिटिकल स्ट्रैटजी तैयार करते हैं। कार्रवाई सुबह 6 बजे से शुरू हुई थी, लेकिन करीब 11:30 बजे के बाद मामला बढ़ा। सबसे पहले कोलकाता पुलिस कमिश्नर, प्रतीक के आवास पर पहुंचे। कुछ समय बाद सीएम ममता बनर्जी खुद लाउडन स्ट्रीट स्थित उनके घर पहुंच गईं। ममता वहां कुछ देर रुकीं। जब बाहर निकलीं, तो उनके हाथ में एक हरी फाइल दिखाई दी।

2 साल पहले हुई...

इस दौरान नेशनल हाईवे भी कुछ देर के लिए जाम हो गया था। हालांकि, अब हालात कंट्रोल में है। दरअसल, हाल ही में पाटण की रहने वाली फेमस गुजराती सिंगर किंजल रबारी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर अपनी लव-मैरीज की जानकारी दी थी। पोस्ट में बताया था कि उन्होंने चौधरी समुदाय के लड़के अशोक चौधरी से लव मैरिज कर ली है। उनकी इस इंटर कास्ट मैरिज की चर्चा होते ही बवाल मच गया था। दोनों समुदाय के नेता आमने-सामने आ गए थे। इसके बाद किंजल ने वह पोस्ट डिलीट कर दी थी। करीब पांच दिनों बाद किंजल ने दूसरी पोस्ट कर कहा कि उन्होंने अपनी शादी कैंसिल कर दी है।

एसआई ने पूर्व सैनिक से मांगें 20 लाख

वीडियो में एसआई ने कहा- डीसीपी को बस रुपए चाहिए

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में एक पूर्व सैनिक से मुकदमे से नाम निकालने के नाम पर SI ने 20 लाख रुपए मांगे है। पूर्व सैनिक ने इसकी शिकायत पुलिस कमिश्नर से की है। रुपए मांगने की बातचीत का वीडियो भी दिया है। वीडियो में एसआई अधिकारियों का नाम भी ले रहा है। इतना ही नहीं एसआई ट्रांसफर पोस्टिंग को लेकर अधिकारियों पर सवाल खड़ा कर रहा है। वीडियो में एसआई कह रहा है कि सभी लोगों के नाम निकालने के लिए 5 लाख रुपए प्रति व्यक्ति देने होंगे। डीसीपी साहब को बस रुपये चाहिए। मुझे 60 हजार में चौकी इंजार्च बना रहे थे। लेकिन मेरी दो महीने बाद शादी है, इसलिए नहीं गया। इरादत नगर थाने में 2025 में जयप्रकाश शर्मा, गजेंद्र पाल, वातेंद्र, नगेंद्र और सत्यवीर के खिलाफ जमीन पर कब्जा करने का आरोप में एफआईआर दर्ज हुई।

एसआई मानवेंद्र गंगवार

अभी इस मामले की विवेचना एसआई मानवेंद्र गंगवार कर रहे हैं। नगेंद्र द्वारा पुलिस कमिश्नर के नाम दी शिकायत में आरोप लगाए गए हैं कि विवेचक सभी लोगों के नाम निकालने के लिए 5 लाख रुपए प्रति व्यक्ति की मांग कर रहे हैं। रुपए न देने पर आरोपी बनाते हुए एफआर लगाने की धमकी दे रहे हैं। विवेचक द्वारा रुपए की मांग के लिए कई बार बुलाया गया। फोन पर भी जल्द रुपए का इंतजाम करने की बात कही गई। नगेंद्र कुमार पूर्व सैनिक हैं। कारगिल युद्ध में उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ लड़ाई लड़ी है।

तमसा संकेत
tamsa.newslko@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्या देवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ-226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित व प्रकाशित।

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।
मो0- 9415799533
R.N.I. NO. UPHIN/2021/83676